आरएनआई - एमपीएचआईएन/2021/81650

इंदौर, गुरुवार 26 फरवरी 2026

■ वर्ष : 5 ■ अंक : 104

■ पृष्ठ : 6 ■ मूल्य : 2

सांध्य दैनिक

इंदौर संकेत

dainikindoresanket.com
dainikindoresanket
dainikindoresanket
dainikindoresanket24@gmail.com

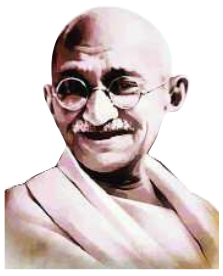

राष्ट्रपिता को नमन...

अंदर के पन्नों पर...

शराब से 2104 करोड़ कमाने का लक्ष्य

पेज-2

'लव एंड वॉर' में दिखेगा भंसाली का खास विजन

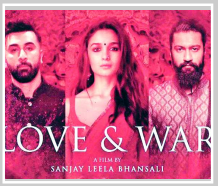

पेज-5

वकीलों में स्टायपेंड लागू करने की मांग

पेज-6

न्यूज ब्रीफ

- अनिल अंबानी ईडी दफ्तर पहुंचे, फेमा जांच में पूछताछ के लिए समन
- अजित पवार विमान हादसा जांच को लेकर रोहित पवार आक्रामक, बारामती थाने में समर्थकों संग धरना
- स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद की अग्रिम जमानत पर कल इलाहाबाद हाईकोर्ट में सुनवाई
- दिल्ली पुलिस ने शिमला से गिरफ्तार IYC कार्यकर्ताओं को मेडिकल के लिए अंबाला लाया
- केरल : अय्यप्पा स्वामी मंदिर में तोड़फोड़ और नमाज पढ़ने के आरोप में व्यक्ति की पिटाई
- अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट से पहले क्यूबा के बेसबॉल अधिकारियों को स्ने वीजा देने से किया इनकार
- आठवीं की किताब में न्यायपालिका अध्याय पर NCERT ने जताया खेद
- चीनी सेना को ट्रेनिंग देने के आरोप में पूर्व अमेरिकी एयर फोर्स पायलट गिरफ्तार, कोर्ट में होगी पेशी
- पाक हवाई हमलों पर तालिबान का संकेत - सैन्य जवाब दे सकता है अफगानिस्तान
- पीएम मोदी ने रचा इतिहास, इंस्टाग्राम पर 10 करोड़ फॉलोअर्स पार करने वाले पहले विश्व नेता बने

होली पर बाजार 'बेरंग' : पांच दिन बाकी, पिचकारी-रंग की दुकानों पर सन्नाटा

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● रंगों के त्योहार होली में अब महज पांच दिन शेष हैं, लेकिन इस बार बाजारों में रौनक गायब नजर आ रही है। शहर के प्रमुख बाजारों में पिचकारी, गुलाल और रंगों से सजी दुकानों पर ग्राहकों की भीड़ न के बराबर है। व्यापारी उम्मीद लगाए बैठे हैं कि आखिरी दो-तीन दिनों में खरीदारी तेज होगी, लेकिन फिलहाल सुस्ती ने चिंता बढ़ा दी है।

राजबाड़ा, मालवा मिल और मारोठिया बाजार क्षेत्र में सजी अस्थायी दुकानों पर पिछले वर्षों की तुलना में खरीदार कम दिख रहे हैं। दुकानदारों का कहना है कि इस बार न तो बच्चों में पिचकारियों को लेकर खास उत्साह दिख रहा है और न ही युवाओं में रंगों की वैसी खरीदारी हो रही है जैसी पहले होती थी। एक व्यापारी ने बताया, 'पिछले साल तक इस समय तक

आधा माल निकल जाता था, लेकिन इस बार बिक्री 30-40 प्रतिशत ही हो पाई है। अब सबकी नजर आखिरी वीकेंड पर है।

उम्मीद बाकी-व्यापारी संगठनों का कहना है कि होली से ठीक एक-दो दिन पहले बाजार में अचानक भीड़ उमड़ती है। ऐसे में अभी पूरी तरह निराश होने की जरूरत नहीं है। फिलहाल, रंगों का त्योहार बाजार में 'बेरंग' जरूर दिख रहा है, लेकिन उम्मीद है कि आखिरी दिनों में खरीदारों की दस्तक से बाजार फिर गुलजार हो उठेगा।

महंगाई और ऑनलाइन ट्रेंड का असर?

व्यापारियों का मानना है कि महंगाई का असर भी त्योहार की खरीदारी पर पड़ा है। परिवार जरूरत के सामान पर ज्यादा ध्यान दे रहे हैं। वहीं, कुछ लोग ऑनलाइन प्लेटफॉर्म से रंग और गिफ्ट आइटम मंगाने लगे हैं, जिससे स्थानीय बाजारों पर असर पड़ा है।

इको-फ्रेंडली रंगों की मांग सीमित

हालांकि कुछ दुकानों पर हर्बल और इको-फ्रेंडली रंग उपलब्ध हैं, लेकिन उनकी कीमत पारंपरिक रंगों से अधिक होने के कारण मांग सीमित है। ग्राहकों का झुकाव सस्ते और छोटे पैक की ओर ज्यादा दिखाई दे रहा है।

निगम मंडल में नियुक्ति के बहाने बीजेपी का चुनावी प्लान

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल ● मध्यप्रदेश में बीजेपी निगम मंडलों में नियुक्तियों के जरिए चुनावी रणनीति बना रही है। दिग्गज नेताओं को छोड़कर युवा और अनुभवी चेहरों को मौका मिलने की उम्मीद है। पिछले कुछ दिनों से लगातार ये खबरें तेज हैं कि मध्यप्रदेश में निगम मंडलों में नियुक्ति जल्द होने वाली है। शायद होली से पहले या होली के कुछ दिन बाद हो ही जाए।

कई पूर्व मंत्री और सीनियर विधायक कतार में-लगातार विधायक बन रहे कुछ नेता भी जीत का सिला हासिल करना चाहते हैं। इस लिस्ट में भी हम जयंत मलैया, गोपाल भार्गव और भूपेंद्र सिंह सरीखे नेताओं को रख ही सकते हैं। इसके अलावा ब्रजेंद्र प्रताप सिंह भी हैं जो पांच बार के विधायक हैं, दो बार मंत्री रह चुके हैं। हरिशंकर खटीक भी पूर्व मंत्री हैं, चार बार के विधायक हैं और बीजेपी के अनुसूचित जाति मोर्चा के अध्यक्ष के तौर पर संगठन में सक्रिय हैं।

विधानसभा चुनाव में टिकट मिलना तय!

बीजेपी का विजन एकदम साफ है और फॉर्मूला बिलकुल फिक्स। इस बार निगम मंडलों में ऐसे नेताओं को मौका देगी जो किसी पद पर न हो। यानी कि मौजूदा विधायकों को निगम मंडल में पद मिलना मुश्किल है। भले ही वो खुद को मंत्री दर्जे का कितना भी बड़ा दावेदार क्यों न समझते हों। इसलिए मैंने चंद विधायकों के नाम गिनाए, जिनकी उम्मीद एक बार फिर धराशाई हो सकती है। ऐसे नेता भी कोई उम्मीद न रखें, जिन्हें अगले विधानसभा चुनाव में टिकट मिलना अभी से तय माना जा सकता है।

अर्चना चिटनिस को भी नहीं भुलाया जा सकता, जो पहले कैबिनेट में अहम पद संभाल चुकी हैं। असल में बीजेपी को इन नियुक्तियों के जरिए बहुत सारे समीकरण भी साधने हैं, जिसमें क्षेत्रीय, जातीय और राजनीतिक समीकरण शामिल हैं। इसलिए पार्टी ने तय किया है कि किसी पुराने नेता के दबाव में आकर या दिग्गजों के प्रेशर में आकर कोई फैसला नहीं होगा। जो जिस काबिल होगा उसको उसके अनुसार नियुक्ति मिल जाएगी। बीजेपी निगम मंडलों में नियुक्ति को चुनावी एजेंडे की तरह देख रही है। इसलिए इससे जुड़ा एक एक फैसला चुनावी ही होगा।

बीजेपी चुनावी जमावट के मूड में-और, बीजेपी का जो सबसे बड़ा मास्टरस्ट्रोक कह सकते हैं, वो है कांग्रेस की सीटों को टारगेट करना। तकरीबन 30 से 35 निगम मंडल सहित प्राधिकरणों के पद भरने के लिए ऐसा नेताओं को चुना जाएगा जो कांग्रेस की सीटों पर एक्टिव है। पिछले विधानसभा चुनाव में जहां जहां कांग्रेस जीती और तमाम ताकत झोंक देने के बाद भी बीजेपी को हार का मुंह देखना पड़ा। अब उन सीटों के चेहरों को निगम मंडल में जगह दी जाएगी, ताकि उस सीट पर बीजेपी का दबदबा बन सके। कुछ मिलाकर बीजेपी चुनावी जमावट के मूड में आ चुकी है। इसलिए सारे फैसले जीत से जोड़कर ही लिए जाएंगे। एक और बड़ा फैसला ये है कि बीजेपी कुछ चरणों में लिस्ट जारी नहीं करेगी।

सीएम व नगरीय प्रशासन मंत्री की लड़ाई से कई जिलों का मास्टर प्लान अटका-सिंघार

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल ● मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव और नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय के रिश्ते अच्छे न होने का आरोप लगाते हुए नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने कहा कि इन दोनों के बीच चल रही लड़ाई के चलते राज्य के कई शहरों के मास्टर प्लान रुके पड़े हैं।

दरअसल, मंगलवार को विधानसभा में भोपाल मेट्रो और मास्टर प्लान को लेकर नगरीय प्रशासन मंत्री ने एक बयान दिया था, जिसमें कहा था कि मेट्रो की योजना अधिकारियों ने बैठकर बना ली और मास्टर प्लान मुख्यमंत्री के पास है। नगरीय प्रशासन मंत्री विजयवर्गीय के इन बयानों को लेकर संवाददाताओं ने बुधवार को नेता प्रतिपक्ष सिंघार से सवाल किया, तो उन्होंने कहा कि वर्तमान में मंत्री और मुख्यमंत्री के बीच आपस में लड़ाई चल रही है। यह विधानसभा में स्पष्ट हो गया है। सवाल उठ रहा है कि नगरीय प्रशासन मंत्री को मुख्यमंत्री फ्री हैंड क्यों नहीं देना चाहते। अगर ऐसा नहीं करना चाहते हैं तो उनसे इस्तीफा ले लें, और अगर उनसे काम लेना चाहते हैं तो उन्हें फ्री हैंड देना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री और नगरीय प्रशासन मंत्री के बीच चल रही लड़ाई से प्रदेश का मास्टर प्लान कई जिलों का रुक गया है। डेढ़ साल से मास्टर प्लान रुके हुए हैं। इसको लेकर कांग्रेस कई बार मांग कर चुकी है। इंदौर के प्रभारी मंत्री राज्य के मुख्यमंत्री मोहन यादव हैं। इंदौर और भोपाल के लोगों को मास्टर प्लान नहीं मिल पा रहा है। पहले अवैध कॉलोनी बनाई जाती है और बाद में वैध किया जाता है। इससे जनता को परेशानी का सामना करना पड़ता है।

मंगल का कुंभ राशि में गोचर अचानक होगी घटनाएं, बढ़ेगा तनाव

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● मंगल का कुंभ राशि में गोचर एक महत्वपूर्ण ज्योतिषीय घटना है, क्योंकि कुंभ शनि की राशि है और मंगल 'अग्नि' तत्व का ग्रह है। जब ऊर्जा का कारक मंगल, वायु तत्व वाली और अनुशासन प्रिय कुंभ राशि में प्रवेश करता है, तो इसके प्रभाव काफी गतिशील और अप्रत्याशित होते हैं। मंगल देव लगभग 38 दिनों तक कुंभ राशि में विराजमान रहेंगे, जिसके बाद वे मीन राशि में प्रवेश करेंगे।

यह गोचर सामान्य से अधिक प्रभावशाली है क्योंकि कुंभ राशि में इस समय एक 'पंचग्रही योग' बन रहा है। कुंभ राशि में मंगल के साथ सूर्य, बुध, शुक्र और राहु पहले से ही मौजूद हैं। मंगल और राहु की युति से 'अंगारक योग' बन रहा है, जो समाज में उत्तेजना और अचानक होने वाली घटनाओं को बढ़ावा दे सकता है।

आज से यह प्रभाव शुरू हो गया है, इसलिए अगले 15 दिनों तक विशेष रूप से वाणी और क्रोध पर नियंत्रण रखना लाभकारी रहेगा। मंगल संघर्ष का प्रतीक है और कुंभ जनसमूह का। दुनिया के कई हिस्सों में मानवाधिकारों, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता या पुराने कानूनों के खिलाफ बड़े जन-आंदोलन या विरोध प्रदर्शन सिर उठा सकते हैं। वायु तत्व की राशि होने के कारण विमानन क्षेत्र में बड़ी हलचल हो सकती है। साथ ही, साइबर हमलों या डेटा सुरक्षा से जुड़ी वैश्विक चिंताएं बढ़ सकती हैं। भारत की कुंडली के अनुसार, यह गोचर नई सरकारी नीतियों और बुनियादी ढांचे के विकास में तेजी लाएगा। विशेष रूप से डिजिटल इंडिया और तकनीकी क्षेत्र में बड़े निवेश की संभावना है। सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच वैचारिक मतभेद उग्र हो सकते हैं। कुछ साहसिक और कड़े कानून लागू किए जा सकते हैं जो लंबी अवधि के लिए लाभकारी होंगे। वायु और अग्नि के संयोग से अचानक तेज हवाएं, चक्रवात या कुछ स्थानों पर आगजनी की घटनाएं बढ़ सकती हैं।

नई परिवहन नीति से नाराज बस मालिक करेंगे हड़ताल

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल ● होली से पहले बसों में यात्रियों की भीड़ होने लगी है। इसी मौके पर बस ओनर्स एसोसिएशन ने हड़ताल पर जाने का ऐलान किया है। मध्य प्रदेश के 55 जिलों में 2 मार्च यानी होली से ठीक 2 दिन पहले बसों की हड़ताल होगी। इसमें प्रदेश की 20 हजार बसें शामिल होंगी। मध्य प्रदेश बस ऑपरेटर्स एसोसिएशन के मुताबिक, प्रदेश में 12 हजार 780 परमिट वाली जबकि 7 हजार से अधिक कॉन्ट्रैक्ट वाली बसें हैं।

2 मार्च को सुबह 6 बजे से सभी बसों के पहिए थम जाएंगे। सबसे ज्यादा असर आम यात्रियों पर पड़ेगा, जो होली में अपने घर

जाएंगे। बस संचालक सरकार की नई परिवहन नीति का विरोध कर रहे हैं। इस नीति के तहत सरकार 7 कंपनियों को पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप मॉडल के तहत सभी बसों के टेंडर सौंप देगी। परेशानी की बात यह है कि अगर बसों की हड़ताल हुई तो किराये में 5 से 7 गुना वृद्धि होने का अनुमान है।

मध्य प्रदेश बस ओनर्स एसोसिएशन के महामंत्री जयकुमार जैन ने दैनिक भास्कर को बताया कि सरकार नई नीति के तहत लोकल रूट के लिए बसों के परमिट देगी। किराया सात नई कंपनियां तय करेंगी जबकि ड्राइवर, स्टाफ और ईंधन की जिम्मेदारी बस ऑपरेटरों की ही रहेगी।

नवाचार रहवासियों का संग और प्रशासन का संकल्प-गोविंद नगर खारचा बना प्रेरणा स्थल

स्वच्छता की नई मिसाल, जब गली बनी 'आदर्श बैक लेन'

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● स्वच्छता केवल अभियान नहीं, बल्कि जनआंदोलन है और इसका जीवंत उदाहरण बना जोन क्रमांक 17 के वार्ड 18 स्थित गोविंद नगर खारचा, जहां एक साधारण बैक लेन अब 'आदर्श बैक लेन' के रूप में नई पहचान पा चुकी है। महापौर पुष्यमित्र भार्गव और आयुक्त क्षितिज सिंघल के मार्गदर्शन में यह कार्य जनसहभागिता मॉडल पर पूरा किया गया। कभी उपेक्षित रहने वाली इस बैक लेन को रहवासियों ने श्रमदान, सफाई और रंग-रोगन से नया जीवन दिया। दीवारों पर स्व'छता के संदेश, प्रेरक चित्र और

आकर्षक पेंटिंग्स ने गली को एक खुली आर्ट गैलरी का रूप दे दिया। स्थानीय नागरिकों की सक्रिय भागीदारी ने यह साबित कर दिया कि जब समाज और प्रशासन साथ आते हैं, तो बदलाव अवश्य आता है।

बच्चों ने बनाई कलाकृतियां

कार्यक्रम का सबसे आकर्षक दृश्य रहा नवज्योति स्कूल के बच्चों की भागीदारी। नन्हे-मुन्ने विद्यार्थियों ने दीवारों पर रंगों से स्वच्छता का संदेश उकेरा और हस्ताक्षर कर यह संकल्प लिया कि वे अपने आसपास गंदगी नहीं होने देंगे। बच्चों की रंग-बिरंगी कलाकृतियों ने पूरे क्षेत्र को जीवंत और प्रेरणादायक बना दिया।

खेल व उत्सव जैसा माहौल

सिर्फ सफाई ही नहीं, बल्कि इस उपलब्धि को उत्सव के रूप में भी मनाया गया। जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों और बच्चों ने मिलकर बैक लेन में 'पोहा पार्टी' की, कैरम और अन्य खेल खेले। स्वच्छता के साथ सामाजिक एकता का भी संदेश दिया गया। यह आदर्श बैंक लेन अब केवल एक गली नहीं, बल्कि स्व' छ इंदौर की सोच का प्रतीक बन गई है। नगर निगम के ऐसे प्रयास शहर को स्वच्छता में अग्रणी बनाए रखने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। गोविंद नगर खारचा की यह पहल निश्चित ही अन्य वार्डों के लिए प्रेरणास्रोत बनेगी और जनभागीदारी से स्वच्छता अभियान को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाएगी।

प्रदेशभर में ऐप से हो रही मूल्यांकन की निगरानी

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा कक्षा 10वीं और 12वीं की बोर्ड परीक्षाओं के उत्तरपुस्तिका मूल्यांकन का कार्य प्रदेशभर में शुरू हो गया है। इंदौर सहित पूरे मध्यप्रदेश में करीब 35 हजार शिक्षक इस प्रक्रिया में जुटे हुए हैं। मूल्यांकन कार्य को पारदर्शी और समयबद्ध बनाने के लिए बोर्ड ने डिजिटल निगरानी व्यवस्था लागू करने की तैयारी की है। नई व्यवस्था के तहत शिक्षकों की उपस्थिति, ड्यूटी के घंटे और प्रतिदिन जांची गई कॉपियों का पूरा रिकॉर्ड डिजिटल रूप से दर्ज किया जाएगा।

बोर्ड अधिकारियों के अनुसार, मूल्यांकन केंद्रों की गतिविधियों पर केंद्रीय स्तर से नजर रखी जाएगी। इससे यह पता चल सकेगा कि किस केंद्र पर कितनी कॉपियां जांची गईं और कार्य की प्रगति क्या है। यदि कहीं देरी या अनियमितता सामने आती है तो तत्काल कार्रवाई की जा सकेगी।

पहले मूल्यांकन की निगरानी वेब पोर्टल के माध्यम से की जाती थी, लेकिन अब मोबाइल ऐप आधारित रियल टाइम मॉनिटरिंग सिस्टम लागू किया जाएगा। इससे शिक्षकों की उपस्थिति और कार्य की दैनिक रिपोर्ट सीधे बोर्ड मुख्यालय तक पहुंचेगी।

- **श्रीमती बबीता हयारण**, मूल्यांकन अधिकारी एवं प्राचार्या शा. मालव कन्या, उ.मा. विद्यालय, इंदौर

न्यूज ब्रीफ

बिरजू शर्मा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष नियुक्त

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● श्री विश्वकर्मा महापंचायत संगठन भारत में बिरजू शर्मा

राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मनोनीत हुए। समाज के वरिष्ठ नेता राम जतन विश्वकर्मा, दिलीप पांचाल ,राजकुमार शर्मा, रामदीन विश्वकर्मा, जानकीलाल विश्वकर्मा, युवा शक्ति टाइम्स के प्रधान संपादक रमेश विश्वकर्मा, नर्मदा प्रसाद पांचाल आदि कई समाजजनों ने बधाई दी।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाभियान को लेकर भाजपा की नगर कार्यशाला आज

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● भाजपा नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा, महामंत्री सुधीर कोल्हे, महेश कुकरेजा और कैलाश पिपले ने बताया कि आज दोपहर 3 बजे विट्ठल रुक्मणी गार्डन, केसर बाग रोड पर भाजपा की पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाभियान की नगर कार्यशाला का आयोजन किया गया है। नेताओं ने बताया कि कार्यशाला में तीन सत्र होंगे। उद्घाटन सत्र के प्रारंभ में अध्यक्षीय उद्बोधन सुमित मिश्रा देंगे। उद्घाटन सत्र को पूर्व लोकसभा अध्यक्ष श्रीमती सुमित्रा महाजन संबोधित करेंगी। इसके पश्चात प्रशिक्षण वर्ग से संबंधित जानकारी पीपीटी के माध्यम से अशोक अधिकारी कार्यकर्ता को देंगे। प्रशिक्षण वर्ग की भूमिका प्रशिक्षण वर्ग संभाग प्रभारी अनंत पंवार रखेंगे। द्वितीय सत्र में 'नवाचार' विषय पर प्रदेश मंत्री राजेंद्र सिंह राजपूत और 'पंच परिवर्तन' विषय पर नगर प्रभारी राजेश सिंह सोलंकी कार्यकर्ताओं मार्गदर्शन देंगे।

उच्च न्यायालय में हुई बीआरटीएस रोड पर एलिवेटेड कॉरिडोर की सुनवाई

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● उच्च न्यायालय में बीआरटीएस रोड पर एलिवेटेड कॉरिडोर की सुनवाई हुई। जिसमे अपीलकर्ता अतुल शेठ की ओर से वरीषठ अभीभासक अभीनव पी धनोड़कर ने बहस की, कि दोनों सर्वे हे जो सरकार की एजेंसी ने करवाये है। इसमें इस एलिवेटेड कोरीडोर की कोई उपयोगिता सिद्ध नहीं हुई है सीधा यातायात तो 1%, से भी कम हे,ओर दोस्थान पर भुजा उतारने के साथ तीन चौराहो पर रोटरी प्रस्तावित करने के बाद भी,अधिकतम 19% ही उपयोगिता आरही हे। इसमें रोटरी भी संभव नहीं है ,आज के यातायात को देखते हुए ,तो भवीष्य मे तो ओर हालात बीगडेगे। इसमे सरकार के धन का दुरुपयोग होने के बाद भी आमजन को सुविधा प्राप्त नहीं होगी ।एक और तो बीआरटीएस को अनुपयोगी होने से तोड़ना पड़ा, वहीं पर इसी के ऊपर यह बनाना कितना उचित है। इन दोनों सर्वे पर उच्च न्यायालय के अंतर्गत ही तकनीकी समिति से आकलन करवाया जाए उसके बाद ही कोई निर्णय लेना चाहिए काम के बारे मे सुनवाई के बाद माननीय उच्च न्यायालय ने राज्य सरकार को और इन्दौर विकास प्राधिकरण को जवाब देने के लिए कहा हे। यह जवाब 11 तारीख अप्रैल के पहले देना को कहा हे।

शहर को शराब से 2104 करोड़ कमाने का लक्ष्य

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● मध्यप्रदेश सरकार ने हाल ही में अपनी नई आबकारी नीति, जिसे आम भाषा में शराब नीति भी कहा जाता है, घोषित कर दी है। इसमें शासन ने प्रदेश की सभी शराब दुकानों का मूल्य 20 प्रतिशत बढ़ाने का फैसला लिया है। इस बढ़त के बाद वित्तीय वर्ष 2026-27 में इंदौर को शराब दुकानों से 2104 करोड़ रुपए कमाने का लक्ष्य मिला है।

मध्यप्रदेश में शराब की कुल 3,553 दुकानें हैं। इनमें से इंदौर जिले में 173 दुकानें हैं। राज्य शासन द्वारा हाल ही में जारी की गई आबकारी नीति 2026-27 में सभी शराब दुकानों की कीमत को 20त्न बढ़ाने का फैसला लिया गया है। इसके तहत मौजूदा सत्र में जहां इंदौर की सभी 173 दुकानें 1,753 में बिकी थीं, वहीं अब नई नीति के तहत इनकी कीमत बढक़र 2,104 करोड़ रुपए हो जाएगी। यानी सरकार ने इंदौर की शराब दुकानों से पिछले साल की अपेक्षा इस साल 351 करोड़ रुपए ज्यादा कमाने का लक्ष्य रखा है। इसके साथ ही नई आबकारी नीति में शासन ने और भी कई बदलाव किए हैं, जिससे कई चीजें आसान होंगी, वहीं कई परेशानियां भी सामने आएंगी।

शराब कारोबारियों से लेकर शराबियों तक पर बढ़ेगा बोझ- शराब दुकानों की कीमतों में 20 प्रतिशत की बढ़ोतरी से जहां शासन को भारी राजस्व मिलेगा, वहीं दूसरी ओर वहीं शराब व्यापारियों से लेकर शराबियों तक के लिए यह फैसला बड़ा बोझ बनेगा। पिछले साल बढ़ाई गई कीमतों पर भी शराब कारोबारियों ने विरोध जताया था और 35 दुकानें कई बार नीलामी प्रक्रिया करने के बाद भी समय पर नहीं बिक पाई थीं, जिसे देखते हुए शासन ने इनकी कीमतों को कम किया था। वहीं इस बार 20 प्रतिशत की वृद्धि के बाद दुकानों को खरीदना कारोबारियों के लिए और मुश्किल होगा। वहीं शराब की कीमतों में 10 से 20 प्रतिशत तक की वृद्धि होने से शराबियों पर भी बोझ बढ़ेगा।

नए नियम भी बन सकते हैं परेशानी

शासन ने नई शराब नीति में पहले की तरह पूर्व में ठेका संचालित करने वाले ठेकेदारों को लाइसेंस नवीनीकरण के नियम को भी खत्म कर दिया है। पहले जो संचालक जो दुकान संचालित करता था, उसे नई दरों पर ठेके के नवीनीकरण में प्राथमिकता दी जाती थी। अगर ठेकेदार इसमें रुचि नहीं दिखाता था, तब ऐसे ठेकों की नीलामी होती थी, लेकिन इस बार पहले से मौजूद ठेकेदारों को प्राथमिकता नहीं मिलेगी और सभी ठेकों की फ्रेश नीलामी होगी। शासन को उम्मीद है कि इससे तय कीमत से भी ऊंची बोली आसानी से मिलेगी और लक्ष्य को आसानी से पूरा किया जा सकेगा। वहीं इस नियम से ठेकेदार परेशान हैं।

सुबह-सुबह राजवाड़ा के पास हुई विज्ञापन फिल्म की शूटिंग, लोगों की लग गई भीड़

पूरे इलाके को किया गया था सील, वीडियो नहीं लेने दिए

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● शहर में फिल्म हो या एड फिल्म की शूटिंग का हब बनाता जा रहा है। इंदौर का राजवाड़ा हो या लालबाग साथ ही पिकनिक स्पॉट से लेकर महेश्वर जैसी ऐतिहासिक धरोहरों पर लगातार फिल्मों की शूटिंग हो रही है। बुधवार सुबह भी राजवाड़ा के पास सुभाष चौक पर एक विज्ञापन की शूटिंग हुई, बताया जा रहा है, कि यह एक एड फिल्म की शूटिंग थी, जो आईपीएल के दौरान टीवी पर दिखाया जाएगा। बताया गया कि आईपीएल के दौरान चलने वाले किसी विज्ञापन के शूट के लिए बाहर से टीम आई है।

वहीं सुभाष चौक के हनुमान मंदिर के पास स्थित दुकानें भी इस शूटिंग के चलते बुधवार सुबह जल्दी ही खुल गईं। शूट के लिए पूरी टीम आई है, जिसने सुबह से सेटअप किया है और आसपास लोगों को भी नहीं आने दे रहे हैं। हालांकि, शूटिंग का सुनकर सुबह से यहां दुकानदारों के साथ ही देखने वालों की भीड़ भी एकत्रित हो गई है, लेकिन ये किसी को भी नहीं बताया जा रहा है कि शूटिंग किस विज्ञापन के लिए हो रही है या कौन यहां शूट के लिए आ रहा है। भीड़ को भी आसपास फटकने नहीं दिया जा रहा है, न ही किसी को फोटो-वीडियो लेने दिए जा रहे हैं।

ये पहला मौका नहीं है, जब यहां किसी विज्ञापन के लिए शूट हो रहा है। विराट कोहली भी क्रिकेट से ही जुड़े एक विज्ञापन के लिए शूट कर चुके हैं, जिसके लिए एक बड़े नामी होटल के परिसर को ही एयरपोर्ट लुक दिया गया था, वहीं राजबाड़ा पर एक बड़ी एयरलाइंस कंपनी अपने ब्रांड के लिए शूट कर चुकी है। साथ ही कुछ साल पहले एक टाउनशिप में भी विराट कोहली एड फिल्म की शूटिंग कर चुके है। कई फिल्मों की भी शूटिंग इंदौर की सड़कों और चौपाटियों पर हुई है। विक्की कौशल और सारा अली खान की फिल्म जरा हटके जरा बचके की अधिकांश शूटिंग इंदौर में हुई थी। जवाहर मार्ग हो या अन्नपूर्णा रोड की चौपाटी और एक कालोनी में भी इसकी शूटिंग हुई थी। सुबह से ही यहां आम लोगों का मजमा लगा रहा। शूटिंग कैसे होती है यह देखने के लिए लोग आतूर नजर आए, लेकिन कई को निराशा हाथ लगी, क्योंकि शूटिंग करते वक्त पूरी गोपनियता बरती गई।

अब हाथ में भीख का कटोरा नहीं, किताब होगी!

प्रशासन ने इस अभियान से बदली मासूमों की तकदीर, माता-पिता को भी मिलेगा रोजगार प्रशिक्षण

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● शहर में चल रहे भिक्षुक मुक्त अभियान को अब नई दिशा दी गई है। प्रशासन ने भिक्षावृत्ति में लगे परिवारों के बच्चों को शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए विशेष अभियान शुरू किया है। इस पहल के तहत 40 से अधिक बच्चों का स्कूलों में प्रवेश कराया गया है।

प्रशासन द्वारा किए गए सर्वे में ऐसे परिवारों की पहचान की गई है, जो वर्षों से शहर के विभिन्न चौराहों और धार्मिक स्थलों के आसपास भिक्षावृत्ति कर रहे हैं। इन परिवारों के बच्चों की पढ़ाई छूटी हुई थी या वे कभी स्कूल गए ही नहीं थे। अब प्रशासन ने इन्हें औपचारिक शिक्षा से जोड़ने का निर्णय लिया है। अधिकारियों के अनुसार, बच्चों की

पढ़ाई का पूरा खर्च प्रशासन उठाएगा। उन्हें मुफ्त किताबें, कॉपियां, स्कूल ड्रेस, बैग और अन्य आवश्यक शैक्षणिक सामग्री उपलब्ध कराई जाएगी। जरूरत पड़ने पर विशेष ब्रिज कोर्स और काउंसलिंग की व्यवस्था भी की जाएगी, ताकि बच्चे आसानी से स्कूल के वातावरण में ढल सकें।

इस अभियान की खास बात यह है कि यह केवल बच्चों के प्रवेश तक ही सीमित नहीं है। उनके माता-पिता को भी भिक्षावृत्ति से मुक्त कराने के लिए कौशल विकास प्रशिक्षण से जोड़ा जा रहा है। विभिन्न विभागों के समन्वय से उन्हें स्वरोजगार या श्रमिक कार्यों से जोड़ा जाएगा, ताकि परिवार को स्थायी आय का साधन मिल सके और वे दोबारा सड़कों पर न लौटें। प्रशासनिक टीम लगातार सर्वे कर रही है और परिवारों की काउंसलिंग भी की जा रही है। सामाजिक संस्थाओं का सहयोग भी लिया जा रहा है, ताकि बच्चों को सुरक्षित और सकारात्मक वातावरण मिल सके। कलेक्टर का कहना है कि लक्ष्य केवल शहर को भिक्षुक मुक्त बनाना नहीं, बल्कि इन बच्चों को बेहतर भविष्य देना है। शिक्षा के माध्यम से ही स्थायी बदलाव संभव है और यही इस अभियान का मूल उद्देश्य है।

किताब पर बवाल : रायल्टी पर शाह बानो परिवार से विवाद, परवीन बानो ने लगाया मारपीट का आरोप

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● शाह बानो प्रकरण पर कितान लिखने आई दुबई निवासी लेखिका परवीन बानो और शाह बानो के परिवार के बीच रायल्टी को लेकर शुरू हुई बातचीत ने अब आरोप-प्रत्यारोपों का रूप ले लिया है। रॉयल्टी और वित्तीय शर्तों को लेकर उनके बीच मतभेद गहराने के बाद मामला तनावपूर्ण हो गया है। लेखिका परवीन बानो ने रायल्टी पर चर्चा के दौरान मारपीट और धमकाने के आरोप लगाए हैं।

परवीन बानो का कहना है कि उन्होंने परिवार से पेशेवर तरीके से संपर्क किया था। उनका उद्देश्य चर्चित शाह बानो केस से जुड़े ऐतिहासिक पहलुओं और पारिवारिक अनुभवों को पुस्तक के रूप में सामने लाना था। लेखिका के अनुसार, वह 13 फरवरी को दुबई से मुंबई पहुंचीं और अगले दिन इंदौर आकर परिवार से मुलाकात की। शुरुआती बातचीत सकारात्मक रही, लेकिन बाद में रायल्टी की शर्तों को लेकर मतभेद उभर आए।

लेखिका का आरोप है कि पुरानी पलासिया क्षेत्र में हुई बैठक के दौरान परिवार की ओर से 25 लाख रुपये अग्रिम और वैश्विक बिक्री पर 30 प्रतिशत हिस्सेदारी की मांग की गई, जो पहले चर्चा में नहीं था। हालांकि बाद में लेखक की रॉयल्टी में 50 प्रतिशत हिस्सेदारी पर सहमति बनी। विवाद उस समय और गहरा गया जब परवीन बानो खजराना स्थित घर पर इंटरव्यू रिकॉर्ड करने पहुंचीं।

करीब दो घंटे की रिकॉर्डिंग के बाद उनसे पुराने समझौते पर हस्ताक्षर करने को कहा गया। मना करने पर वहां माहौल तनावपूर्ण हो गया। इस पर उन्होंने निकलना उचित समझा। लेखिका ने आरोप लगाया कि कुछ लोगों ने उनका पीछा किया और बाहर भीड़ एकत्र हो गई और बच्चा-चोर कहकर शोर मचाने लगी। उन्होंने दावा किया कि इस दौरान उनके साथ साथ मारपीट भी की गई।

घटना की सूचना मिलने पर खजराना पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को शांत कराया। लेखिका के वकील के मुताबिक, थाने में रिकॉर्डिंग को लेकर 2 लाख रुपए जमा कराने की बात कही गई, क्योंकि परिवार की ओर से कथित रूप से इसकी अनुमति नहीं दी गई थी। अब यह मामला कानूनी जांच और आपसी विवाद का विषय बन गया है। दोनों पक्षों की ओर से अलग-अलग दावे किए जा रहे हैं, जबकि पुलिस जांच कर रही है।

सेवा अवधि की गणना कर लागू करे परिवार पेंशन योजना

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● डॉ. मोहन यादव मुख्यमंत्री, विधानसभा अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर, मध्यप्रदेश शासन के समस्त मंत्री मंडल, मुख्यसचिव, मध्यप्रदेश शासन तथा अपर सचिव शिक्षा विभाग मध्यप्रदेश शासन को विजय कुमार बंधु राष्ट्रीय अध्यक्ष के निर्देशानुसार परमानंद डेहरिया राष्ट्रीय सचिव प्रांताध्यक्ष के नेतृत्व में प्रांतीय कार्यकारिणी नेशनल मूवमेंट फॉर ओल्ड पेंशन स्कीम मध्यप्रदेश ने ज्ञापन सौंपकर अविलम्ब आदेश जारी करने का आग्रह किया माननीय उमंग सिंगार प्रतिपक्ष के नेता को वरिष्ठता एवं परिवार पेंशन योजना 30 मार्च 2021 से लागू करने के लिए विधान सभा के पटल में रखने का आग्रह किया। पुरानी पेंशन बहाली राष्ट्रीय आंदोलन इंदौर के जिलाध्यक्ष दिनेश परमार ने बताया कि मध्यप्रदेश शासन ने प्रथम नियुक्ति दिनांक से सेवा अवधि की गणना कर ग्रेच्युटी एवं अवकाश नकदी एवं पुरानी पेंशन का लाभ मध्यप्रदेश शासन के द्वारा मध्यप्रदेश के समस्त विभागों के शिक्षकों व कर्मचारियों को नहीं मिल रही जिसकी लड़ाई बहुत विगत वर्षों से मध्यप्रदेश के शिक्षक कर्मचारी आन्दोलनरत और भविष्य में बड़े आन्दोलन का आगाज़ होगा।

स्वास्थ्य संचालनालय पर प्रदर्शन कर न्याय यात्रा के माध्यम से मुख्यमंत्री निवास पर सौंपा ज्ञापन

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● समस्त स्वास्थ्य अधिकारी कर्मचारी महासंघ एवं महासंघ से जुड़े समस्त संगठनो के आव्हान पर किया जा रहा चरणबद्ध आंदोलन के चतुर्थ चरण आज में 25 फरवरी को स्वास्थ्य संचालनालय पर हजारों की संख्या में स्वास्थ्य कर्मचारियों द्वारा प्रदर्शन किया गया इसके पश्चात न्याय यात्रा रैली के रूप में निकालकर मुख्यमंत्री निवास पर जाकर महासंघ प्रतिनिधि मंडल के द्वारा मुख्यमंत्री के ओएसडी राजेश बादपली एवं रमेश चंद्र शर्मा को ज्ञापन सौंपा । इस अवसर पर महासंघ प्रतिनिधि मंडल में सर्वश्री नर्सिंग आफिसर एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष रमेश कुमार जाट पेरामेडिकल एम्प्लाइज एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष डी एस अग्निहोत्री नेत्र चिकित्सा सहायक के प्रदेश अध्यक्ष प्रहलाद प्रजापति फार्मासिस्ट एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष अम्बर चौहान प्रगतिशील रेडियो ग्राफर संघ के प्रदेश अध्यक्ष वीरेन्द्र कश्यप संयुक्त डेंगू मलेरिया कर्मचारी संघ के प्रदेश अध्यक्ष नानूराम मिमरोट बहुउद्देशीय स्वास्थ्य कर्मचारी कल्याण संघ के प्रदेश अध्यक्ष कल्याण सिंह एन एच एम लैब टेक्नीशियन संघ के प्रदेश अध्यक्ष राहुल श्रीवास्तव एड्स नियंत्रण समिति यूनियन के प्रदेश अध्यक्ष सुनील मिश्रा आउटसोर्स कर्मचारी संघ के प्रदेश अध्यक्ष कोमल सिंह एन एच एम संविदा स्वास्थ्य कर्मचारी प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष नीतू केल्दे सामुदायिक आयुष चिकित्सा अधिकारी संघ के प्रदेश अध्यक्ष डा.देवेन्द्र बड़गैया , डा.प्रशान्त शर्मा आयुष अधिकारी कर्मचारी प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष गोवर्धन सिंह सिसोदिया आदि उपस्थित थे।

महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष सुरेंद्र सिंह कौरव ने बताया कि विगत कई वर्षों से अनेकों बार शासन विभाग से पत्राचार कर प्रत्यक्ष भेंटकर प्रदेश के स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग अंतर्गत नियमित तथा राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन संविदा कर्मचारियों की विभागीय समस्याओं , मांगों के निराकरण हेतु निरंतर महासंघ द्वारा विभाग से निवेदन किया जा रहा है।

गौतमपुरा थाना प्रभारी की दुकानदारों को चेतावनी : नाबालिगों को सिगरेट दी तो होगी कार्रवाई

निलेश चौहान : 94250-77209

देपालपुर ● **दैनिक इंदौर संकेत**

'दैनिक इंदौर संकेत' की खबर प्रकाशित होते ही गौतमपुरा नगर में नाबालिगों की सुरक्षा और उन्हें नशे से दूर रखने को लेकर पुलिस ने विशेष अभियान चलाया यह अभियान उस घटना के बाद शुरू किया गया, जब शनिवार 21 फरवरी को एक नाबालिग छात्रा के लापता होने से नगर में हड़कंप मच गया था, जिसको लेकर 'दैनिक इंदौर संकेत' अखबार ने खबर को प्राथमिकता से प्रकाशित किया था परिजनों की सूचना पर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मात्र 6 घंटे में छात्रा को सुरक्षित बरामद कर लिया, लेकिन घटना ने कई गंभीर प्रश्न खड़े कर दिए। जांच के

गौतमपुरा : दिनदहाड़े लापता हुई किशोरी 5 घंटे में बरामद, सुरक्षा और नशे की बिक्री पर उठे सवाल

खबर वह जिसका हो असर

दौरान सामने आया कि छात्रा घर से निकलने के बाद एक दुकान से सिगरेट खरीदते हुए सीसीटीवी फुटेज में दिखाई दी थी। नाबालिग को तंबाकू उत्पाद दिए जाने की जानकारी सामने आने पर नगर में आक्रोश है। इसके बाद पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए नाबालिगों को नशीले पदार्थों की बिक्री रोकने के लिए सख्त कार्रवाई और अभियान शुरू किया। थाना प्रभारी अलका मेनिया के नेतृत्व में पुलिस बल ने नगर के प्रमुख मार्गों से लेकर गली-मोहल्लों तक जागरूकता भ्रमण करते हुए नागरिकों और व्यापारियों को जागरूक किया। अभियान के दौरान पुलिस टीम बाजार क्षेत्रों, किराना दुकानों, पान गुमटियों एवं अन्य विक्रेताओं तक

पहुंची और स्पष्ट निर्देश दिए कि बीड़ी, सिगरेट, तंबाकू या अन्य नशीले पदार्थ नाबालिगों को किसी भी स्थिति में न बेचे जाएं। उल्लंघन पाए जाने पर वैधानिक कार्रवाई की चेतावनी दी गई।

पुलिस टीम ने नगर में संचालित दो दर्जन से अधिक कैफे हाउस एवं नाश्ता केंद्रों पर भी पहुंचकर संचालकों को समझाइश दी कि छात्र-छात्राओं को तंबाकू उत्पाद उपलब्ध न कराएं तथा संदिग्ध गतिविधियों की सूचना तुरंत पुलिस को दें।

पुलिस ने कोचिंग सेंटरों, स्कूलों, अकादमियों एवं अन्य शैक्षणिक संस्थानों में पहुंचकर संचालकों को विद्यार्थियों की सुरक्षा, समयपालन और निगरानी को लेकर निर्देश दिए । संस्थानों से कहा गया कि विद्यार्थियों को बिना सूचना परिसर से बाहर न जाने दिया जाए तथा किसी भी संदिग्ध स्थिति में तुरंत पुलिस को सूचना दी जाए।

गौतमपुरा क्षेत्र में लगातार नशे का कारोबार हो रहा है नाबालिक बच्चों को नशीले पदार्थ बेचे जाते हैं लेकिन अब तक क्षेत्र में कोई बड़ी कार्यवाही नहीं की गई।

छात्र के गायब होने के बाद प्रशासन हरकत में आया और केवल कार्यवाही के नाम पर दुकानदारों को चेतावनी दी गई।

लेकिन देखा जाए तो थाना प्रभारी और प्रशासन को क्षेत्र में बड़ी कार्यवाही की जरूरत थी ताकि भविष्य में गौतमपुरा क्षेत्र में नशा बिक्री पर रोक लगे।

नगर में चल रहे 'नशा मुक्त नवपीढ़ी नाबालिक अभियान' को इस पहल से और बल मिला है। नगरवासियों ने बच्चों और किशोरों को नशे से दूर रखने तथा जागरूकता फैलाने का संकल्प लिया। अभियान के दौरान नाबालिगों द्वारा दोपहिया वाहन चलाने के मामलों पर कार्रवाई करते हुए वाहन जब्त किए गए तथा अभिभावकों को सख्त चेतावनी दी गई कि नाबालिगों को वाहन चलाने की अनुमति न दें।

सांध्य दैनिक
इंदौर संकेत
इंदौर, गुरुवार 26 फरवरी 2026

न्यूज ब्रीफ

जमींदार धार्मिक ट्रस्ट की दुकानों को सील करने के मामले में ट्रस्ट का पक्ष

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● बुधवार को इंदौर नगर पालिक निगम द्वारा सियागंज स्थित जमींदार धार्मिक ट्रस्ट के स्वामित्व वाली कुछ दुकानों को बकाया टैक्स का भुगतान नहीं करने पर सील करने के मामले में जमींदार धार्मिक ट्रस्ट, बड़ा रावला जूनी इंदौर के प्रमुख युवराज वरदराज मंडलोई ने स्पष्ट किया है कि उनके स्वामित्व की कुछ दुकानों पर अनवांछित लोगों द्वारा अवैध रूप से कब्जा एवं अनुमति के विपरीत अवैध निर्माण कार्य कर लिया गया है और दुकानों के किराएदारों से अवैध रूप से किराया वसूली कर नगर निगम को टैक्स की रकम जमा नहीं कराई जा रही है जिसके कारण नगर निगम ने पेनल्टी लगाकर टैक्स की राशि जमा नहीं किए जाने पर उक्त दुकानें सील की हैं जो न्यायोचित कार्रवाई कही जाना चाहिए।

खाटू श्याम मंदिर पर रंगभरी एकादशी पर होगा भव्य श्रृंगार एवं भजन संध्या

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● साजन नगर नवलखा स्थित खाटू श्याम नर्मदेश्वर शिव मंदिर पर रंगभरी ग्यारस, 27 फरवरी को शाम 6 बजे से रंगारंग फाग महोत्सव मनाया जाएगा। मंदिर समिति के प्रमुख सुरेश रामपीपल्या एवं साजन नगर रहवासी संघ के अध्यक्ष सुजीत शर्मा ने बताया कि समाजसेवी विष्णु बिंदल, अरविन्द बागड़ी एवं राजेश बंसल के मार्गदर्शन में इस मौके पर भजन गायक सुनील शर्मा एवं उनके साथी मनोहारी भजनों की प्रस्तुतियां भी देंगे। मंदिर पर एकादशी के उपलक्ष्य में श्याम बाबा का भव्य एवं मनोहारी श्रृंगार कर 56 भोग भी समर्पित किए जाएँगे।

मध्य भारत का सबसे बड़ा औद्योगिक प्रदर्शनी 27 फरवरी से 02 मार्च तक

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● मध्य भारत का सबसे बड़ा औद्योगिक प्रदर्शनी, इंडस्ट्रियल इंजीनियरिंग एक्सपो 2025 का आयोजन 27 फरवरी से 02 मार्च 2026 तक इंदौर के लाभगंगा एग्जीबिशन सेंटर में किया जाएगा। गुरुवार को इसके भूमिपूजन के साथ निर्माण कार्य का शुभारंभ हुआ। इस एक्सपो को इंडियन प्लास्ट पैक फोरम(आईपीपीएफ) के संयुक्त तत्वाधान में फ्यूचर कम्युनिकेशन इंवेट एंड एग्जिबिशन प्रा. लि. द्वारा आयोजित किया जा रहा है। मध्य भारत का सबसे बड़ा औद्योगिक प्रदर्शनी, इंडस्ट्रियल इंजीनियरिंग एक्सपो 2026 के लिए शनिवार को आयोजन स्थल पर भूमिपूजन का आयोजन किया। आयोजन मुख्य अतिथि के रूप मे इंडियन प्लास्ट पैक फोरम के चेयरमैन श्री हितेश मेहता, अध्यक्ष सचिन बंसल,सचिव अंकित भरूका, विशाल सोनी, संदीप ठाकुर आदि उपस्थित थे। फ्यूचर कम्यूनिकेशन के डायरेक्टर श्री लक्ष्मण दूबे ने सपत्नीक पूजन किया। श्री दूबे ने बताया इंडस्ट्रियल इंजीनियरिंग एक्सपो पिछले 13 वर्षों से आयोजित किया जा रहा है एक्सपो का शुभारंभ कार्यक्रम 27 फ़रवरी 2026 को मुख्य अतिथि श्री कैलाश विजयवर्गीय, नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री, मप्र शासन द्वारा किया जाएगा। आयोजन में इस वर्ष के एक्सपो में मुख्य रूप से बड़े मशीन निर्माता और कंपनियां अपने उत्पादों का प्रदर्शन करेंगी। विजिटर एक्सपो में बड़ी मशीनों से उत्पाद बनते हुए देख सकेंगे। इस दौरान लगभग 250 स्टॉलों पर रॉ मटेरियल, पार्ट्स, आदि कंपनियों द्वारा प्रदर्शित किए जाएंगे। एक्सपो में में मुंबई, दिल्ली सहित सभी महानगरों से बड़े उद्योग समूह और निर्माता शामिल होंगे। साथ ही मध्य प्रदेश सहित छत्तीसगढ़, राजस्थान, गुजरात महाराष्ट्र और उत्तर प्रदेश से भी उद्योगपति इस आयोजन में भाग लेंगे।

ग्वालियर व्यापार मेले में 3000 करोड़ से अधिक का व्यापार

औपचारिक समापन हुआ, पिछले साल के रिकॉर्ड टूटे

ग्वालियर (एजेंसी) ● ग्वालियर व्यापार मेले का औपचारिक समापन हो गया है। बुधवार शाम एक सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया गया, जिसमें मेला सचिव सहित शहर के गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। इसी दौरान मेले के समापन की औपचारिक घोषणा की गई। मेला सचिव सुनील त्रिपाठी ने बताया कि इस वर्ष ग्वालियर व्यापार मेले में 3000 करोड़ रुपए से अधिक का व्यापार हुआ है। उन्होंने कहा कि पिछले साल की तुलना में कई रिकॉर्ड टूटे हैं।

विभिन्न क्षेत्रों में हुए व्यापार के सटीक आंकड़े दो से तीन दिनों में उपलब्ध हो पाएंगे। फोर-व्हीलर और टू-व्हीलर वाहनों की बिक्री का डेटा आरटीओ द्वारा एक दिन बाद उपलब्ध कराया जाएगा। इसके अतिरिक्त, जीएसटी विभाग से भी विभिन्न सेक्टरों के व्यापारिक आंकड़े लिए जाएंगे। त्रिपाठी ने जानकारी दी कि सामान्य दिनों में रोजाना 50,000 से अधिक सैलानी मेले में पहुंचे। वहीं, छुट्टियों के दिनों में यह संख्या 75,000 से बढ़कर 1 लाख व्यक्तियों तक भी पहुंची।मेला सचिव ने कहा कि इस बार का मेला काफी सफल रहा। हालांकि, व्यापारी संघ और अन्य लोगों से कई सुझाव प्राप्त हुए हैं। इन सुझावों को अगली बार बेहतर सेवाओं और व्यवस्थाओं में लागू किया जाएगा। उन्होंने स्वीकार किया कि यह उनका पहला अनुभव था और भविष्य में कमियों को सुधारा जाएगा।

रोजाना आए 50 हजार सैलानी

सचिन ने बताया कि ग्वालियर व्यापार मेले में सामान्य आंकड़े की बात की जाए तो रोजाना लगभग 50000 से अधिक सैलानी ग्वालियर व्यापार मिले का लुक लेने के लिए मेले में पहुंचे हैं। इसके अलावा छुट्टी के दिनों में यह संख्या 75000 से एक लाख व्यक्तियों तक भी पहुंची है।

अगली बार और बेहतर होगी व्यवस्थाएं

मेला सचिव ने बताया कि इस बार वॉलपेपर मेल काफी अच्छा रहा लेकिन हमारे व्यापारी संघ और अन्य जनों से भी कई सारे सुझाव मिले हैं जो हमें अगली बार और बेहतर सेवाओं और व्यवस्थाओं में सहयोगी साबित होंगे।इस बार मेरा मेल का यह पहला अनुभव था जो भी कमियां रही है उन्हें अगली बार सुधार किया जाएगा।

28 को विद्युत व्यवस्था अवरुद्ध

आपको बता दे की औपचारिक समापन के बाद ग्वालियर व्यापार मेले की विद्युत व्यवस्था 28 फरवरी को अवरोध कर दी जाएगी इसके बाद भी कई दिनों तक मिला सड़क पर नजर आता है।

ठीक-ठाक रहा व्यापार

वहीं मेले में व्यापार कर रहे व्यापारियों की माने तो इस बार मेला ठीक-ठाक रहा है और व्यापार भी ठीक-ठाक ही हुआ है।लगभग लागत ही निकल पाई है।मुनाफा कम नजर आ रहा है।जिसकी एक वजह मौसम भी माना जा सकता है।मेले में व्यापार करने के लिए चंदेरी से आई हेमा चौहान ने बताया कि काफी अच्छा अनुभव रहा और व्यापार भी ठीक-ठाक ही हुआ है।मेले की व्यवस्थाएं भी अच्छी रही कुछ छोटी-मोटी कमियां हैं, उन्हें छोड़ दिया जाए तो बाकी सब कुछ ठीक रहा।वहीं कश्मीर से आए कपड़े के व्यापारी शाह जी ने बताया कि मेला काफी अच्छा रहा और खूब चला लेकिन लास्ट आते-आते गर्मी पड़ने लगी बाकी सब कुछ ठीक रहा।

ग्राम दर्जी कराडिया में विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● इंदौर इंटरनेशनल कॉलेज एवं ऑक्सफोर्ड इंटरनेशनल कॉलेज, इंदौर द्वारा ग्राम दर्जी कराडिया में विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित अधिवक्ता एकता शर्मा, डिप्टी चीफ लीगल एड डिफेंस कार्उंसिल एवं पूर्व जेजेबी सदस्य ने नि:शुल्क विधिक सहायता, महिला एवं बाल अधिकार तथा जमीनी स्तर पर विधिक साक्षरता के महत्व पर प्रकाश डाला। अधिवक्ता प्रेमांशु तिवारी (हाईकोर्ट, इंदौर) ने ग्रामीणों को दीवानी एवं फौजदारी मामलों में उपलब्ध कानूनी उपायों की जानकारी दी तथा विधिक सेवा प्राधिकरण की भूमिका को समझाया। कार्यक्रम में ग्राम सरपंच प्रतिनिधि धनंजय राव की गरिमामयी उपस्थिति रही। उन्होंने इस पहल की सराहना करते हुए ग्रामीणों को विधिक जागरूकता के प्रति सजग रहने हेतु प्रेरित किया।

संस्थान के ग्रुप डायरेक्टर डॉ. पुनीत कुमार द्विवेदी, डॉ. नेहा शर्मा एवं प्राचार्य डॉ. प्रीति दरक ने समाज और विधिक संस्थाओं के बीच सेतु बनाने में ऐसे आयोजनों की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। शिविर के दौरान ग्रामीणों ने घरेलू हिंसा, संपत्ति विवाद, साइबर अपराध एवं शासकीय योजनाओं से संबंधित अपने प्रश्न रखे और समाधान प्राप्त किया।

कार्यक्रम का समापन डॉ. अतुल लाडना द्वारा आभार प्रदर्शन के साथ हुआ, जिसमें उन्होंने सभी अतिथियों, प्राध्यापकों, विद्यार्थियों एवं ग्रामीणजनों का धन्यवाद ज्ञापित किया। यह विधिक जागरूकता शिविर ग्रामीण समुदाय को सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम सिद्ध हुआ।

श्रीमद् भागवत कथा में दूसरे दिन उमड़े भक्त

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● हर परिस्थिति में मुस्कुराने वाला भक्त ही भगवान को सबसे प्रिय लगता है इसलिए जीवन में कोई भी कठिनाई आ जाएं हमे मुस्कुराते ही रहना चाहिए, कभी दुखी नहीं होना चाहिए,प्रभु का स्मरण करने से सारे संकट दूर हो जाते है,जिनके जीवन में धर्म होता है उनके जीवन में शांति होती है,संतो के चरणों की भक्ति में ही आनंद और सुख की प्राप्ति होती है,जीवन में सदेव आनंद सुख चाहते हो तो संतो के चरणों की भक्ति करना चाहिए जिसके जीवन में संत है उसके जीवन में ही बसंत है, जीवन में संतों का संग होना ही चाहिए,संतो की कृपा हमेशा बनी रहना चाहिए, संतों का सानिध्य जीवन में बहुत आवश्यक होता है, हरि गोविंद का स्मरण हमेशा करना चाहिए,संसार सुख में साथ देता है भगवान हरि दुख में साथ देते है, हमेशा परमात्मा में लीन रहना चाहिए, भक्ति मार्ग में चलते हुए शालीनता बनी रहना चाहिए, कण से छोटा जो बन जाए,हमेशा सभी को सम्मान दे वही भक्त होता है,कभी जीवन में अहंकारी नही होना चाहिए,साधु संतो का अपमान कभी नहीं करना चाहिए,उनका मान सम्मान करना चाहिए,जीवन में हर व्यक्ति को दान पुण्य, अच्छे कर्म अवश्य करना चाहिए,क्योंकि व्यक्ति के साथ उसके अच्छे पुण्य कर्म ही जाते है,जीवन में परोपकार की भावना जरूर करना चाहिए। यह बाते पंडित नीरज कृष्ण नयन महाराज ने विश्व ब्राह्मण समाज संघ द्वारा ऊषा नगर स्थित उषा राजे परिसर पर आयोजित सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा के दूसरे दिन कही।

अग्रवाल समाज बंधु इस बार भी होली एवं गणगौर पर्व एक साथ मनाएंगे

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● अग्रवाल समाज हाइवे क्षेत्र पालदा की 30 से अधिक कॉलोनियों के 500 से अधिक अग्रवाल-वैश्य परिवार इस बार भी होली-धुलेंडी, गणगौर एवं अन्य सभी त्यौहार एक साथ मनाएँगे। इसके लिए जोरदार तैयारियां शुरु हो गई हैं। इस दौरान 2 मार्च को होलिका दहन, 4 मार्च को धुलेंडी एवं 15 मार्च को भव्य गणगौर मेला भी आयोजित होगा, जिसमें बच्चों से लेकर महिला, पुरुषों एवं युवाओं के लिए भी आकर्षक स्पर्धाएं आयोजित की जाएंगी।

संगठन के संस्थापक अध्यक्ष अरविन्द बागड़ी ने बताया कि पिछले 2 वर्षों से लगातार संगठन की ओर से सभी त्यौहार एक साथ मनाने की शुरुआत की जा रही है, जिसके उत्साहजनक नतीजे मिल रहे हैं और हर बार नए परिवार जुड़ते जा रहे हैं। बुधवार को वरुण विक्ट्री परिसर में आयोजित 30 कॉलोनियों के अग्रवाल-वैश्य प्रतिनिधियों की बैठक में होली-धुलेंडी के बाद रविवार 15 मार्च को शाम 4.30 बजे से गणगौर का बाना निकालने, गणगौर मेला आयोजित करने, महिलाओं के लिए बनी-ठनी सौन्दर्य स्पर्धा आयोजित करने, मिस्टर मिसेस इसर-पार्वती, गणगौर के दोहे सुनाने, बिंजोरा सजाने, आटे के गहने बनाने और म्यूजिकल तम्बोला सहित अनेक स्पर्धाएं आयोजित करने का निर्णय लिया गया। बैठक में संयोजक मनीष अग्रवाल मन्नू, दिलीप अग्रवाल (पालदा), अंकुर अग्रवाल, दिलीप नरेडी, विकास मित्तल विक्की एवं शीतल तोड़ीवाला सहित अनेक बंधुओं ने सपने सुझाव दिए। गणगौर बाना 15 मार्च को दोपहर 4.30 बजे शुभम सिटी से वरुण विक्ट्री परिसर तक धूमधाम से निकाला जाएगा।

प्रभु राम ने समाज को अंत्योदय का व श्रीकृष्ण ने आतंकवाद के खात्मे का सन्देश दिया: पं. नागर

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ●कृष्ण यदि कण-कण में मौजूद हैं तो राम भी रोम-रोम में व्याप्त हैं। राम और कृष्ण इस देश के जनमानस के प्राणतत्व हैं। राम मर्यादा पुरूषोतम हैं तो कृष्ण लीलाधर। राम और कृष्ण भारत भूमि के पर्याय हैं। इन दोनों अवतारों के बिना भारतभूमि की कल्पना भी संभव नहीं है। राम ने जहां समाज को अंत्योदय का संदेश दिया है वहीं कृष्ण ने कंस प्रवृत्ति का नाश कर आतंकवाद के खात्मे का सन्देश दिया है। धर्म की जब-जब हानि होती है, भगवान भारत भूमि पर ही अवतार लेते हैं। यदि हमने समय को सही ढंग से नहीं काटा तो समय हमें काटेगा। ये दिव्य विचार हैं मालवा के प्रख्यात भागवत मर्मज्ञ आचार्य पं. ब्रजकिशोर नागर के, जो उन्होंने बुधवार को धार रोड स्थित धरावरा धाम आश्रम पर महंत शुकदेव दास महाराज के सानिध्य में चल रहे मानस सम्मेलन एवं भागवत ज्ञान यज्ञ में उपस्थित श्रद्धालुओं को कृष्ण जन्मोत्सव पर संबोधित करते हुए व्यक्त किए। कथा में आज राम एवं कृष्ण जन्मोत्सव धूमधाम से मनाए गए। व्यास पीठ का पूजन नानूराम चौधरी के साथ विष्णु चौधरी, ललित अग्रवाल, डॉ. सुरेश चोपड़ा, सीताराम नरेडी, मांगीलाल ठाकुर, देवेन्द्र सांखला एवं श्रीमती रेखा श्रीकांत शर्मा आदि ने किया।

स्वातंत्र्यवीर विनायक दामोदर सावरकर की पुण्यतिथि पर माल्यार्पण

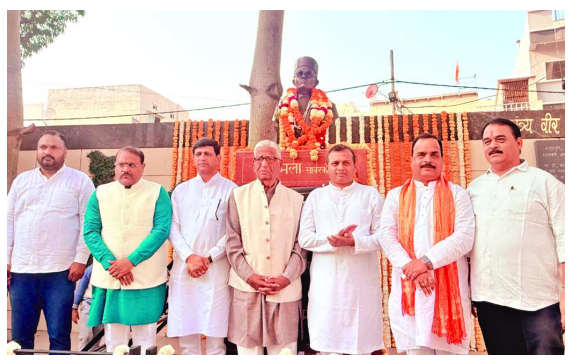

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● स्वातंत्र्य वीर विनायक दामोदर सावरकर की 60वीं पुण्यतिथि के अवसर पर आज सावरकर झोनल कार्यालय, प्रगति नगर के प्रांगण में स्थित वीर सावरकर की प्रतिमा पर भाजपा नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा, प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ निशांत खरे, महापौर पुष्यमित्र भार्गव, विधायक मधु वर्मा, बाबा साहेब नवाथे, प्रशांत बडवे सहित अनेक गण्यमान्य नागरिकों ने माल्यार्पण किया। भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ निशांत खरे ने कहा कि भारत माता की आजादी के आंदोलन में वीर सावरकर के योगदान को भुलाया नहीं जा सकता। विदेशी हुकूमत की कठोर से कठोर यातनाएं भी मातृभूमि के प्रति उनके समर्पण भाव को डिगा नहीं पाई। भाजपा नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा ने कहा आजादी के आंदोलन में उनके अदम्य साहस और संघर्ष की गाथा को कृतज्ञ राष्ट्र कभी भुला नहीं सकता। उनके साहस और वीरता से घबराकर अँग्रेजी हुकूमत ने उन्हें दो आजीवन काला पानी की सजा दी।

सांध्य दैनिक
इंदौर संकेत

आपकी बात, इंदौर संकेत के साथ

डिजिटल रूप से लाखों पाठकों के साथ अपना नियमित संपर्क बनाते हुए दैनिक इंदौर संकेत अब एक नई ऊंचाइयों को छू रहा है। आप भी अपने संस्थान, उत्पाद, संस्था का प्रचार-प्रसार दैनिक इंदौर संकेत के माध्यम से सकते हैं। इसके तहत आप चाहे प्रापर्टी व्यवसाय से जुड़े हैं या कोई बधाई संदेश देना है या जन्मदिन की शुभकामनाएं हो या कोई अन्य कैटेगरी में विज्ञापन देना चाहते हैं तो न्यूनतम दर पर प्रकाशित करने के लिए संपर्क कर सकते हैं। दैनिक इंदौर संकेत संवेदनापूर्ण संदेशों को लेकर अत्यंत संवेदनशील है। इसीलिए इस समाचार पत्र में शोक संदेश नि:शुल्क प्रकाशित किए जाएंगे।

कार्यालय का पता
5/6, राज मोहल्ला, महेश नगर,
गुरुद्वारे के सामने, इंदौर
संपर्क: 94250-64357,94245-83000

सम्पादकीय

80 लाख आपत्तियां, आधार पर बहस और अदालत की दखल, वोटर लिस्ट की बड़ी परीक्षा

शीर्ष अदालत में मंगलवार को आयोग की तरफ से दलील दी गई कि देश भर में फर्जी आधार कार्ड का इस्तेमाल बड़े पैमाने पर हो रहा है और बंगाल में ऐसे मामलों की संख्या सर्वाधिक है। लोकतंत्र में चुनाव की शुचिता का मूल आधार पारदर्शिता और निष्पक्षता पर टिका होता है। पात्र मतदाता ही चुनावी प्रक्रिया का हिस्सा बनें, यह सुनिश्चित करने के लिए मतदाता सूची में समय-समय पर संशोधन जरूरी होता है। इसी उद्देश्य से निर्वाचन आयोग ने देश के विभिन्न राज्यों में विशेष गहन पुनरीक्षण की प्रक्रिया शुरू की है, मगर इसमें कई तरह की आशंकाएं और चुनौतियां भी सामने आ रही हैं। खासकर पश्चिम बंगाल में पुनरीक्षण को लेकर कई मौकों पर निर्वाचन आयोग और राज्य सरकार को आमने-सामने देखा गया है। सवाल और आरोप वही हैं कि राज्य में इस प्रक्रिया का राजनीतिकरण किया जा रहा है। पहले नागरिकता प्रमाण पत्रों को लेकर विवाद उठा, फिर बूथ स्तरीय अधिकारियों पर काम के बोझ का मुद्दा सुर्खियों में आया और अब तार्किक विसंगतियों से संबंधित दावों और आपत्तियों के पारदर्शी तरीके से समय पर निपटारे का मसला सामने आया है। सर्वोच्च न्यायालय ने पिछले सप्ताह इस कार्य में सहायता के लिए सेवारत और पूर्व जिला न्यायाधीशों को तैनात करने का निर्देश दिया था और अब राज्य के दीवानी न्यायाधीशों की तैनाती तथा पड़ोसी राज्यों झारखंड और ओड़ीशा से न्यायिक अधिकारियों को बुलाने की अनुमति भी दे दी है। गौरतलब है कि मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण की शुरुआत बिहार से हुई थी और तब से लेकर यह प्रक्रिया विवादों में है। शुरू में चुनाव आयोग की ओर से आधार कार्ड को पहचान पत्र के दस्तावेज में शामिल नहीं करने का मुद्दा प्रमुखता से उठा था, मगर बाद में सर्वोच्च न्यायालय के निर्देश पर इसे पहचान के दस्तावेज में शामिल कर लिया गया। मगर पश्चिम बंगाल में आधार कार्ड को लेकर चुनाव आयोग की आशंकाएं अभी भी बरकरार हैं। शीर्ष अदालत में मंगलवार को आयोग की तरफ से दलील दी गई कि देश भर में फर्जी आधार कार्ड का इस्तेमाल बड़े पैमाने पर हो रहा है और बंगाल में ऐसे मामलों की संख्या सर्वाधिक है। इस पर अदालत ने कहा कि ऐसे मामलों में गहन जांच की आवश्यकता हो सकती है, लेकिन यह समय इसके लिए उपयुक्त नहीं है। साथ ही कहा कि चूंकि जनप्रतिनिधित्व अधिनियम में संशोधन से आधार को पहचान प्रमाण के रूप में शामिल किया गया था, इसलिए इसे स्वीकार करना होगा।

तमिलनाडु चुनाव को लेकर, कांग्रेस की 'जिद' या डीएमके की 'अकड़'?

जैसा कि हम जानते है इसी साल तमिलनाडु में विधान सभा चुनाव होने हैं। एक ओर डीएमके और कांग्रेस समेत अन्य दल का अलायंस है तो दूसरी ओर ढ्ढष्ठस्न्य, भारतीय जनता पार्टी और अन्य पार्टियों का गठबंधन है। हालांकि, चुनाव से पहले ही सत्तारूढ़ डीएमके और कांग्रेस के बीच सीट बंटवारे को लेकर माथापच्ची देखने को मिल रही है। मार्च 2024 में डीएमके अध्यक्ष और मुख्यमंत्री एमके स्टालिन के साथ बैठक के दौरान कांग्रेस नेता केसी वेणुगोपाल (बीच में)। दोनों नेताओं ने 2026 के विधानसभा चुनाव के लिए सीट बंटवारे पर चर्चा करने के लिए 22 फरवरी को फिर से मुलाकात की, लेकिन किसी समझौते पर नहीं पहुंच सके।

द्रविड़ मुन्नेत्र कज़गम (डीएमके) और कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व के बीच स्पष्ट और स्थापित मित्रता के बावजूद, तमिलनाडु विधानसभा चुनाव से पहले दोनों पार्टियां सीट बंटवारे की बातचीत में कोई प्रगति नहीं कर पाई हैं। एक विश्वसनीय सूत्र ने बताया कि डीएमके कांग्रेस के लिए अतिरिक्त सीटों पर विचार करने से इनकार करने पर अडिग है।

दोनों पक्षों के बीच तनाव कम करने के कांग्रेस के प्रयास के रूप में देखा जा रहा है। कुछ कांग्रेस नेताओं द्वारा डीएमके गठबंधन की 2026 के चुनाव में जीत होने पर सत्ता में हिस्सेदारी की मांग के बाद, पार्टी के महासचिव (संगठन) केसी वेणुगोपाल ने तमिलनाडु के मुख्यमंत्री और डीएमके अध्यक्ष एमके स्टालिन से मुलाकात का अनुरोध किया। वेणुगोपाल और छत्तीसगढ़ के पूर्व उपमुख्यमंत्री टीएस सिंह देव ने 22 फरवरी को स्टालिन से बातचीत की। बातचीत सौहार्दपूर्ण रही, लेकिन कोई ठोस समाधान नहीं निकला। स्टालिन को डीएमके की उप महासचिव और हाल ही में दिल्ली में संपर्क सूत्र रहीं कनिमोझी करुणानिधि का सहयोग प्राप्त था। पूर्व केंद्रीय मंत्री ए. राजा भी बातचीत में शामिल थे।

सूत्रों के अनुसार, कांग्रेस ने अतिरिक्त सीटों की मांग की और स्टालिन ने अपनी मजबूरियों के बारे में बताया। डीएमके नेताओं ने मांग को सिरे से खारिज करने के बजाय यह बताया कि गठबंधन में कुछ और पार्टियां शामिल हो गई हैं। चुनाव की प्रकृति को देखते हुए, जिसमें डीएमके को जीत हासिल करने और 1967 में सत्ता में आने के बाद दूसरी बार सत्ता-विरोधी लहर को मात देने की उम्मीद है, पार्टी को सभी पक्षों की राय को ध्यान में रखना पड़ा। एक सूत्र ने कहा, 'बातचीत अप्रिय नहीं रही।' बताया जा रहा है कि सत्ता-साझेदारी का मुद्दा बातचीत में नहीं उठा; सीटों में वृद्धि ही मुख्य मुद्दा था।

कांग्रेस कम से कम 30 सीटें चाहती है। एक कांग्रेस नेता ने कहा, 'हमने 2021 में जितनी सीटों पर चुनाव लड़ा था, उससे अधिक सीटों की मांग की है क्योंकि हमारा स्ट्राइक रेट बहुत अच्छा था।' डीएमके नेता ने कहा, 'हमारे नेता [स्टालिन] ने उन्हें एक संख्या बताई है। वे कांग्रेस की मांग एक विस्तृत आंतरिक समीक्षा के आधार पर की है। इस पर चर्चा करेंगे और फिर हमसे संपर्क करेंगे। 'वेणुगोपाल को कांग्रेस सांसद मणिकम टैगोर द्वारा सत्ता में हिस्सेदारी की बार-बार मांग करने के पीछे के व्यक्ति के रूप में देखा जाता है। द्रमुक को उनसे निपटने के लिए मजबूर होना पड़ता है क्योंकि उन्हें कांग्रेस नेता राहुल गांधी का करीबी माना जाता है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने वेणुगोपाल को द्रमुक और कांग्रेस को अच्छे संबंध बनाए रखने की जरूरत पर सलाह दी है।

खड़गे का राज्यसभा का कार्यकाल अप्रैल में समाप्त हो रहा है और उन्हें कर्नाटक से पार्टी द्वारा फिर से नामित किए जाने की उम्मीद है। उनका नेता प्रतिपक्ष का दर्जा भी खतरे में नहीं है, बशर्ते कांग्रेस राज्यसभा चुनाव में कम से कम चार सीटें जीतने में सक्षम हो। खड़गे को विपक्ष का नेता बने रहने के लिए कांग्रेस को कम से कम 25 सदस्यों (सदन की संख्या का 10 प्रतिशत) की आवश्यकता है।

तेलंगाना और कर्नाटक में अपनी ताकत के कारण कांग्रेस 25 का आंकड़ा पार कर सकती है। (कांग्रेस के 27 में से छह सांसद जल्द ही सेवानिवृत्त हो रहे हैं। पार्टी ने इससे पहले द्रमुक से सीट का अनुरोध किया था। कांग्रेस और द्रमुक के बीच मतभेद तब खुल गए जब कांग्रेस ने दावा किया कि द्रमुक ने 2019 और 2021 में राज्यसभा सीट का वादा किया था, लेकिन वादा पूरा नहीं किया। पार्टी इस बात से भी नाराज थी कि द्रमुक ने पिछले साल खाली हुई सीट के लिए खड़गे के अनुरोध को ठुकरा दिया था और इसके बजाय इसे मक्कल निधि मय्यम के नेता कमल हासन को आवंटित कर दिया था।

22 फरवरी की बैठक के लहजे और कार्यकाल को देखते हुए, ऐसा लगता है कि द्रमुक छोटी जाति या प्रभाव समूहों को जीतने के प्रयास में राजनीतिक दलों के सभी वर्गों को समायोजित करने के अपने 2001 के परीक्षण और असफल मॉडल पर लौट रही है।

कांग्रेस का मानना है कि यह एक परखी हुई शक्ति है और द्रमुक के लिए महत्वपूर्ण मूल्य जोड़ती है। अगर द्रमुक कांग्रेस की दो मांगों में से एक - अधिक सीट आवंटन और सत्ता में हिस्सेदारी - को नहीं मानता है तो पार्टी को हार के रूप में देखा जाएगा।

यह उन पांच राज्यों में भाजपा के लिए सबसे बड़ी चर्चा का विषय बन जाएगा, जहां 2026 में चुनाव होने हैं। संक्षेप में, कांग्रेस पीछे हटने में सक्षम होगी, लेकिन डीएमके से की गई सभी मांगों को पूरी तरह से छोड़ नहीं पाएगी।

द्रमुक नेताओं को चिंता है कि कांग्रेस के साथ मतभेद जिलों में प्रकट होने लगेंगे। एक जिला सचिव, जो स्टालिन कैबिनेट में मंत्री भी हैं, ने कहा: 'मुझे अपने जिले में पहले से ही समस्याएं दिखाई दे रही हैं। जब तक इस मुद्दे को जल्द ही सुलझाया नहीं जाता है, तब तक यह कई स्तरों पर जमीनी स्तर पर समन्वय को प्रभावित करेगा।

23 फरवरी को, एक समाचार टेलीविजन चैनल के साथ बातचीत के दौरान, स्टालिन ने कहा कि लड़ाई कुछ सीटों या सत्ता की लूट के बारे में नहीं थी। उन्होंने कहा, 'यह फासीवाद के खिलाफ लड़ाई है। मैं तमिलनाडु के लोगों पर विश्वास करता हूं।

दरअसल, 2021 के विधानसभा चुनाव में डीएमके ने 173 सीटों पर चुनाव लड़ा था। इनमें से 133 सीटों पर जीत दर्ज की, जबकि 40 सीटों पर उसे हार का सामना करना पड़ा। इन हारों में अधिकांश सीटों पर एआईएडीएमके और भाजपा के खिलाफ गई थीं।

अब विवाद सिर्फ सीटों तक सीमित नहीं है, बल्कि 'गठबंधन सरकार' को लेकर भी है। हाल ही में एक निजी कार्यक्रम में एमके स्टालिन ने स्पष्ट कर दिया था कि सरकार में सत्ता की साझेदारी की कोई व्यवस्था नहीं होगी।

अशोक भाटिया,
वरिष्ठ स्वतंत्र पत्रकार ,लेखक, समीक्षक एवं टिप्पणीकार

आंचलिक

सुबह-शाम ठंड, दोपहर में गर्मी

दैनिक इंदौर संकेत

लोनारा • इन दिनों मौसम की स्थिति अजीब सी बनी हुई है। फरवरी माह के अंत में सुबह ठंड का अहसास हो रहा है। पिछले दो दिन से ठंड बढ़ गई है। इसके चलते लोगों को अलाव का सहारा लेना पड़ रहा है। सुबह-शाम ठंड और दोपहर में तेज गर्मी का सामना करना पड़ रहा है। दो दिन से आसमान में बादल छा रहे हैं। इस मौसम का प्रतिकूल प्रभाव लोगों के स्वास्थ्य पर पड़ रहा है। इससे सर्दी, खांसी व बुखार के मरीज बढ़ रहे हैं।

मोरटक्का ब्रिज का लोड टेस्ट पास, शनिवार से चालू होगा ट्रैफिक

दैनिक इंदौर संकेत

खंडवा • इंदौर-एदलाबाद नेशनल हाईवे पर सनावद-बड़वाह के बीच नर्मदा नदी पर बने मोरटक्का ब्रिज के एक हिस्से का काम पूरा हो गया है। बुधवार को ब्रिज की अंतिम लोड टेस्टिंग सफलतापूर्वक पूरी कर ली गई, जिसमें पुल पूरी तरह सुरक्षित पाया गया है। एनएचएआई ने टेस्टिंग के तुरंत बाद पुल पर डामरीकरण का काम शुरू करा दिया है। पूरी उम्मीद है कि इस शनिवार से इस नए ब्रिज पर ट्रैफिक शुरू हो जाएगा, जिससे इंदौर-खंडवा रूट के लाखों यात्रियों को बड़ी राहत मिलेगी। एनएचएआई के अधिकारियों के मुताबिक, नर्मदा ब्रिज के एक हिस्से के स्लैब का काम पहले ही पूरा हो चुका था। बुधवार दोपहर तक इसका लोड टेस्ट भी कंप्लीट कर लिया गया। टेस्टिंग के दौरान पुल में किसी प्रकार की कोई दिक्कत नहीं पाई गई और यह हर मानक पर सेफ साबित हुआ है। इसके तत्काल बाद ही ठेकेदार ने पुल पर डामर बिछाने का काम युद्ध स्तर पर शुरू कर दिया है, ताकि 28 फरवरी से इसे भारी और हल्के वाहनों के लिए खोला जा सके।

अप्रैल में खुलेगा 145 किमी लंबा बलवाड़ा-शाहपुर हाईवे

एनएचएआई के प्रोजेक्ट डायरेक्टर आशुतोष सोनी ने बताया कि मोरटक्का पुल के एक हिस्से का लोड टेस्ट हो गया है, जबकि दूसरे हिस्से की स्लैब कास्टिंग भी पूरी हो गई है। इसे अगले दो महीने के भीतर पूरी तरह तैयार करा लिया जाएगा। इस तरह अप्रैल-2026 तक निमाड़ के हिस्से में बलवाड़ा से शाहपुर तक 145 किलोमीटर लंबी सड़क वाहनों के लिए पूरी तरह से खोल दी जाएगी।

इन अन्य हिस्सों में काम जारी, 58 किमी हो चुका है चालू

नेशनल हाईवे प्रोजेक्ट के तहत तेजाजी नगर से बलवाड़ा और बलवाड़ा से धनगांव के 73 किमी सड़क के हिस्से में अभी तेजी से निर्माण कार्य चल रहा है। वहीं, धनगांव से बोरगांव बुजुर्ग के बीच का 58 किलोमीटर लंबा हाईवे पहले ही चालू हो चुका है। इसके अलावा तेजाजी नगर से बलवाड़ा सेक्शन के 33 किमी हिस्से में भी सड़क बनाई जा रही है। इन सभी हिस्सों के पूरा होने से इस पूरे नेशनल हाईवे पर सफर बेहद आसान और कम समय वाला हो जाएगा।

3 दिन से पानी बंद, न्यू अक्षरधाम कॉलोनी के 101 मकानों की जल आपूर्ति ठप

दैनिक इंदौर संकेत

बुरहानपुर • रास्तीपुरा मूक बधिर स्कूल के पास की न्यू अक्षरधाम कॉलोनी में संपत्ति कर (प्रॉपर्टी टैक्स) को लेकर चल रहे भारी विवाद के कारण पिछले तीन दिनों से 101 मकानों की जल आपूर्ति ठप है। रहवासियों का आरोप है कि नगर निगम ने टैक्स न भरने के कारण पानी बंद कर दिया है, और कॉलोनाइजर भी इसका ठीकरा निगम पर ही फोड़ रहे हैं। हालांकि, नगर निगम आयुक्त संदीप श्रीवास्तव ने इन दावों को सिरे से खारिज करते हुए स्पष्ट किया है कि कॉलोनी में निगम की नई पाइपलाइन अभी चालू ही नहीं हुई है और पानी की पूरी सप्लाई खुद कॉलोनाइजर के हाथ में है। कॉलोनी की रहवासी भारती बोरसे और उमेश मोदी ने निगम की कार्रवाई पर गंभीर सवाल उठाए हैं। उन्होंने बताया कि वे 2020 और 2024 में यहां रहने आए, लेकिन उनसे 2017-18 से टैक्स मांगा जा रहा है। उनका 15-16 हजार रुपये का भारी-भरकम टैक्स निकाला गया है, जबकि उनके हिसाब से यह 7-8 हजार होना चाहिए। उमेश के मुताबिक, उन्होंने ग्राम पंचायत ऐमागिर्द से सभी अनुमतियां ली थीं और वहां पूरा टैक्स भरा हुआ था। रहवासियों का साफ कहना है कि कॉलोनी में नाली निकासी और साफ-सफाई जैसी मूलभूत सुविधाएं तक नहीं हैं और अब बिना किसी लिखित नोटिस के टैक्स भरने का दबाव बनाया जा रहा है।

नगर निगम आयुक्त संदीप श्रीवास्तव ने स्थिति साफ करते हुए कहा कि, 'वहां ट्यूबवेल से पानी सप्लाई और चार्ज वसूली कॉलोनाइजर ही करता है। निगम की नई लाइन चालू करने के लिए लोगों को संपत्तिकर के दायरे में आना होगा।' उन्होंने बताया कि यह कॉलोनी कृषि से अकृषि (डायवर्शन) में आई है। जब तक प्लॉट था तब तक प्लॉट का, और जब मकान बना तब से मकान का टैक्स लगेगा। इसका सही निर्धारण तभी होगा जब कॉलोनाइजर या मकान मालिक निगम को यह जानकारी दें कि प्लॉट पर मकान कब बना। फिलहाल निगम ने वहां डोर-टू-डोर कचरा वाहन शुरू कर दिया है और टैक्स वसूली के लिए 3 दिन से शिविर लगाया हुआ है।

इस पूरे विवाद पर कॉलोनाइजर अशोक चौधरी ने कहा कि 2018 में डायवर्शन किया गया था। उनका तर्क है कि अब तक सारी जवाबदारी उनकी थी, लेकिन अब कॉलोनी नगर निगम के अंडर में आ गई है। कुछ लोगों ने अपना टैक्स जमा कर दिया है, लेकिन बाकी लोगों का कहना है कि वे उसी समय से टैक्स भरेंगे जब उन्होंने मकान बनाया था।

बर्खास्त महिलाकर्मी का सवाल, नौकरी लड़कों के हॉस्टल में, लड़कियों के वीडियो कैसे बनाऊंगी

दैनिक इंदौर संकेत

खंडवा • ओबीसी बालक हॉस्टल के वार्डन पर छेड़छाड़ के आरोप लगाने वाली महिला चपरासी को बर्खास्त कर दिया गया हैं। महिला चपरासी दैनिक वेतन भोगी श्रमिक थी। उनसे रातों-रात हॉस्टल का क्वार्टर भी खाली कराया गया। कार्रवाई कलेक्टर ऋषव गुप्ता ने की है। छात्राओं के वीडियो बनाने को आधार बनाया गया है। वहीं महिला चपरासी ने कहा कि, जब हॉस्टल लड़का का है, तो छात्राएं वहां कैसे आ गई। उन्होंने प्रशासन की कार्रवाई पर सवाल उठाए हैं। महिला चपरासी पुष्पा चौहान के खिलाफ जिला प्रशासन ने कार्रवाई करते हुए उन्हें पद से हटा दिया है। कलेक्टर गुप्ता ने सेवा समाप्ति के आदेश जारी कर दिए है। अपर कलेक्टर काशीराम बडोले ने बताया कि, मामला पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण विभाग द्वारा संचालित पोस्ट मैट्रिक कन्या छात्रावास का है। 5 फरवरी को हॉस्टल के अधीक्षक और छात्राओं ने पुष्पा चौहान के विरुद्ध कार्य में लापरवाही, अनुशासनहीनता व छात्राओं के कक्ष में बिना अनुमति प्रवेश कर उनके वीडियो बनाने जैसी शिकायतें की थी।

इसी आधार पर जांच के बाद सेवा समाप्ति से जुड़ी कार्रवाई की गई है। पुष्पा चौहान अनाधिकृत रूप से छात्रावास अधीक्षक के कक्ष में निवास कर रही थीं, उसे भी तत्काल खाली करने के निर्देश दिए गए। इधर, पुष्पा चौहान ने आदेश जारी होने के तत्काल बाद हॉस्टल खाली कर दिया। उन्होंने इसी हफ्ते 21 फरवरी को पुलिस से शिकायत कर छात्रावास अधीक्षक संजय फरकले के खिलाफ छेड़छाड़ के आरोप लगाए थे लेकिन पुलिस ने इस मामले में कोई कार्रवाई नहीं की।

मामले में बर्खास्त की गई चपरासी पुष्पा चौहान का कहना है कि, सारे आरोप मनगंढत है। वह बालक हॉस्टल में पदस्थ थी। वार्डन ने झूठी शिकायतें करके एक हफ्ते पहले ही गर्ल्स हॉस्टल में ट्रांसफर करवाया था। जो कार्रवाई हुई है, वह बालक हॉस्टल से जुड़ी है। प्रशासन बताए कि बालक हॉस्टल में छात्राओं के वीडियो कैसे बनेंगे। मैंने पुलिस से छेड़छाड़ की शिकायत की थी, उस पर कोई एक्शन नहीं लिया गया। अधीक्षक फरकले के साथ विभाग की सुनिता मुवेल और सारे अधिकारी मिले हुए है। मामले में कमिश्नर और फिर हाईकोर्ट के समक्ष जाऊंगी। जानकारी के मुताबिक, पुष्पा चौहान के पति टीचर थे, बिजली का करंट लगने से उनके पति और बेटी की मौत हो गई थी। यह घटना करीब 10 साल पहले की है। उसके बाद अनुकंपा नियुक्ति के लिए पुष्पा चौहान के पास शैक्षणिक योग्यता नहीं थी। इसके चलते उन्हें चपरासी के पद पर दैनिक वेतन भोगी के रूप में नौकरी दी गई। उनका एक बेटा है, जिसकी पढ़ाई-लिखाई के लिए उन्होंने शहर आकर नौकरी ज्वाइन की थी।

जिम्बाब्वे पर बड़ी जीत दर्ज करने के इरादे से उतरेगी भारतीय टीम

चेन्नई (एजेंसी) ● आईसीसी टी-20 वर्ल्ड कप 2026 में भारत और जिम्बाब्वे का सुपर-8 मुकाबला 26 फरवरी को चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में खेला जाएगा। यह मैच दोनों टीमों के लिए करो या मरो का होने वाला है। दोनों ही टीमों को सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए सिर्फ जीतना ही नहीं, बल्कि बेहतर नेट रन रेट के साथ जीतना जरूरी है। भारत हर कीमत पर जिम्बाब्वे को बड़े मार्जिन से हराना चाहेगी। उनका सब कुछ दांव पर लगा होगा। वहीं, पहली मार्च को भारत का मुकाबला सुपर-8 में वेस्टइंडीज से भी होना है। कैरेबियाई टीम गजब फॉर्म में चल रही है, लेकिन वेस्टइंडीज जिम्बाब्वे को हराकर इस वक्त भारत से एक कदम आगे है। सब कुछ भारत के लिए अब साउथ अफ्रीका-वेस्टइंडीज के मैच पर आकर रूक गया है। चेन्नई की पिच पर जिम्बाब्वे भारत के लिए वेस्टइंडीज से ज्यादा बड़ा खतरा होगा। बता दें कि जिम्बाब्वे अच्छी फॉर्म में चल रही है। उन्होंने ग्रुप स्टेज में ऑस्ट्रेलिया और श्रीलंका को हराकर बड़ा उलटफेर किया था। वेस्टइंडीज के सामने उन्हें पहली ही हार इस विश्व कप में मिली थी। वेस्टइंडीज ने जिम्बाब्वे को 107 रन से हराया था। हालांकि इसमें कोई दोहराय नहीं कि जिम्बाब्वे के खिलाफ भारत ही मुकाबला जीतने की फेवरेट है। लेकिन जिम्बाब्वे भारत को चेन्नई की विकेट पर सरप्राइज जरूर कर सकती है। टीम इंडिया को यह भी दिमाग में रखना होगा कि उनको जिम्बाब्वे से बड़े अंतर से जीतना होगा। बता दें कि साउथ अफ्रीका ने भारत को सुपर-8 के पहले मुकाबले में 76 रन से हराया था। इस बड़ी हार के बाद टीम इंडिया की नेट रन रेट काफी ज्यादा खराब हो गई है। चेपॉक की पिच ज्यादा देर तक आसान रन नहीं देगी। शुरुआत में स्ट्रोक प्ले मुमकिन होगा, लेकिन जब स्पिनर्स मुकाबले में आएंगे, तो टिके रहने के लिए हिम्मत चाहिए होगी। पहले बैड्क्षटग करने वाली टीमें आराम से 180-190 तक पहुंचना चाहेंगी।

फिल्म 'लव एंड वॉर' में दिखेगा भंसाली का खास विजन

मुंबई (एजेंसी) ● निर्माता संजय लीला भंसाली का कहना है कि वह अपनी आने वाली फिल्म 'लव एंड वॉर' के जरिए कुछ खास करने की कोशिश कर रहे हैं। संजय लीला भंसाली को भारतीय सिनेमा के सबसे बेहतरीन और विजनरी डायरेक्टर्स में से एक माना जाता है। वह अपनी फिल्मों की भव्यता और कहानी कहने के अंदाज़ से इंडियन फिल्मों को ग्लोबल लेवल पर ले जाने के लिए जाने जाते हैं। कई सुपरहिट क्लासिक फिल्में देने के बाद, अब वह अपने करियर के सबसे बड़े और महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट्स में से एक लव एंड वॉर की तैयारी कर रहे हैं। इस ग्रैंड हिस्टोरिकल ड्रामा में पहली बार बॉलीवुड के बड़े सितारे आलिया भट्ट, रणबीर कपूर और विक्की कौशल एक साथ लीड रोल में नजर आएंगे। दर्शक इस फिल्म की थिएटर रिलीज का बड़ी बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। दिलचस्प बात यह है कि अपने जन्मदिन पर भी भंसाली ने सेट पर ही रहना पसंद किया और पूरी तरह लव एंड वॉर के काम में डूबे रहे। अपने जन्मदिन पर काम करने को लेकर उन्होंने कहा कि काम ही वो चीज है, जिससे मेरी पहचान बनती है। जब मेरे पास काम नहीं होता, तो मुझे खुद की कोई वैल्यू महसूस नहीं होती।

शास्त्री ने टीम को सही रणनीति और संयोजन से उतरने की सलाह दी

नई दिल्ली (एजेंसी) ● भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री का कहना है कि अब टीम को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सुपर-8 में मिली करारी हार से सबक लेते हुए आगे के मैचों में सही संयोजन से उतरना होगा। इस मैच में मिली हार के बाद प्रबंधन के कई फैसलों पर भी सवाल उठे हैं। ऐसे में अब टीम के ऊपर बचे हुए दोनो मैचों को बड़े अंतर से जीतने का दबाब है। शास्त्री का कहना है कि अब टीम को अपने संयोजन पर फिर से विचार करना होगा। शास्त्री ने कहा, 'आप लगातार 12 मैच जीतते हैं, तो एक खराब दिन आना तय है। शायद यही वह बदलाव है जिसकी भारत को जरूरत थी। यह टीम को अपनी रणनीति और संयोजन पर फिर से सोचने के लिए मजबूर कर सकता है। इस हार से उन्होंने यह सीख लिया होगा कि अब चीजों को हल्के में नहीं लिया जा सकता है क्योंकि सुपर 8 में अगर एक और मैच हारते हैं तो बाहर हो जाएंगे।' दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अक्षर पटेल की जगह पर टीम ने वाशिंगटन सुंदर को अवसर दिया पर सुंदर असफल रहे। अब अक्षर को वापस टीम में लाने की मांग बढ़ रही है। वहीं शास्त्री चाहते हैं कि सुंदर को भी टीम से बाहर न किया जाए।

एफआईएच हॉकी विश्व कप क्वालिफायर की तैयारियों में लगी है भारतीय टीम

बेंगलुरु (एजेंसी) ● भारतीय महिला हॉकी टीम आजकल मुख्य कोच शॉर्ड मारिन के मार्गदर्शन में एफआईएच हॉकी विश्व कप 2026 क्वालिफायर की तैयारियों में लगी है। टीमें में शामिल उभरती हुई मिडफील्डर साक्षी राणा भी अभ्यास में लगी हुई है और अपनी ओर से और बेहतर प्रदर्शन करना चाहती है। साक्षी का कहना है कि वह हर दिन यही सोचकर मैदान पर उतरती हैं कि उसे अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना है। इस शिविर में मुख्य कोच मारिन के अलावा वैज्ञानिक सलाहकार वेन लोम्बार्ड भी खिलाड़ियों की सहायता कर रहे हैं। वहीं साक्षी ने कहा, हर दिन मैं यह सोचकर बाहर निकलती हूं कि मुझे अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना है। अगर मैं क्वालिफाइंग राउंड में खेलती हूं, तो मेरा लक्ष्य टीम की जीत में योगदान देना है। आजकल हम हर दिन अभ्यास कर रहे हैं और कोच द्वारा बनायी योजना को पूरी तरह लागू करने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि कोचिंग स्टाफ टीम की कमजोरियों पर विशेष ध्यान दे रहा है। फिटनेस, ताकत और रिकवरी पर लगातार काम हो रहा है। लोम्बार्ड खिलाड़ियों को शारीरिक क्षमता और रिकवरी के महत्व को समझा रहे हैं। साक्षी ने कहा कि सीनियर खिलाड़ियों से भी पूरा सहयोग मिल रहा है।

सोशल मीडिया पर भद्दे कमेंट्स मिल रहे थे गौतमी को

मुंबई (एजेंसी) ● सोशल मीडिया पर एक्ट्रेस गौतमी कपूर ने चुप्पी साध रखी है। अब उन्होंने सामने आकर इसका कारण बताया है। एक्ट्रेस के मुताबिक उन्हें लगातार अपमानजनक और भद्दे कमेंट्स का सामना करना पड़ रहा था, जिससे उनका मानसिक संतुलन प्रभावित होने लगा था। हर सुबह फोन खोलते ही उन्हें सबसे पहले नकारात्मक बातें पढ़ने को मिलती थीं, जिसने उन्हें थका दिया था। गौतमी ने बताया कि इस उम्र और जीवन के इस पड़ाव पर उन्हें किसी की पहचान या मान्यता की जरूरत नहीं है। वह अपने परिवार और करीबी दोस्तों के बीच ही खुश रहती हैं, लेकिन जब सोशल मीडिया पर उनके बारे में ही नहीं, बल्कि उनके प्रियजनों के बारे में भी गलत बातें लिखी जाने लगीं, तब उन्हें महसूस हुआ कि इससे दूरी ही बेहतर है। इंस्टाग्राम से दूरी बनाने के बाद उन्हें समय, शांति और मानसिक सुकून का एहसास हुआ। एक घटना याद करते हुए उन्होंने बताया कि एक दिन जब उन्होंने अपनी रील्स चेक कीं, तो सबसे ऊपर बेहद गंदा और आपत्तिजनक कमेंट दिखा। वह टिप्पणी इतनी खराब थी कि उनका पूरा दिन बिगड़ गया। तभी उन्होंने फैसला किया कि निजी जिंदगी को सोशल मीडिया से दूर रखना ही सही रहेगा। हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि अपने काम से जुड़ी कोई आवश्यकता होने पर वह दोबारा सोशल मीडिया पर सक्रिय होंगी।

उज्जैन संभाग

होलाष्टक के कारण 8 दिन के लिए मांगलिक कार्यक्रम बंद

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ● फाल्गुन मास के शुक्ल पक्ष की अष्टमी तिथि से होलाष्टक का आरंभ माना जाता है अर्थात पूर्णिमा के ठीक 8 दिन पहले का अनुक्रम अष्टक की श्रेणी में आता है। इस बार होला अष्टक की शुरुआत 24 फरवरी से हो चुकी है जो 3 मार्च तक रहेगा। मान्यता है कि होलाष्टक में विवाह कार्य नहीं किए जाते हैं। इस दौरान लोक परंपरा से जुड़े फाग उत्सव की धूम रहेगी। ज्योतिषाचार्य अमर डब्बेवाला ने बताया कि होलाष्टक से पूर्णिमा पर्यंत होलिका के 8 दिन विशेष प्रभाव के रहते हैं पौराणिक मान्यता के अनुसार यह 8 दिन संभलने वाले भी माने जाते हैं अर्थात इन आठ दिनों में तंत्र-मंत्र से जुड़े या अभिचार तंत्र से जुड़े अनुक्रम भी किए जाते हैं तो स्वयं की सुरक्षा के लिए अपने ईष्ट की आराधना इन आठ दिनों में की जा सकती है। इस 8 दिनों में विवाह, यज्ञोपवित, गृह प्रवेश जैसे कार्य नहीं हो सकेंगे। होलाष्टक के बारे में प्रांत और क्षेत्रीय आधार पर अलग-अलग प्रकार की परंपराएं लागू है। जिसमें ऋतु चक्र का परिवर्तन और मानसिकता में अलग-अलग प्रकार की वैचारिकता का आवागमन होता है क्योंकि यह बसंत से संबंधित और पतझड़ से संबंधित रितु काल का संधि काल भी बताया जाता है। होलाष्टक का समापन 3 मार्च को चंद्र ग्रहण की पूर्णता के साथ समाप्त होगा 4 मार्च से पुनः अलग-अलग प्रकार से मांगलिक कार्य की शुरुआत की जा सकेगी।

होलाष्टक से लेकर पूर्णिमा तक यह व्रत रहेंगे

27 फरवरी आमलकी एकादशी एवं सर्वार्थ सिद्धि योग
28 फरवरी को बुध अस्त होंगे पश्चिम दिशा में
1 मार्च को प्रदोष व्रत और रवि पुष्य
2 मार्च को होलिका का पूजन प्रदोष काल में
3 मार्च को धुलेंडी पर्व और चंद्र ग्रहण इसी के साथ होलाष्टक समाप्त

1.31 करोड़ के नोटों से सजा शिव मंदिर, भगवान की मुकुट-माला और लड़ियां भी नोटों की बनी

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ● जिले के बड़नगर स्थित बुद्धेश्वर महादेव मंदिर में महाशिवरात्रि मेले के दौरान भगवान शिव का अनोखा श्रृंगार किया गया है। करीब 1 करोड़ 31 लाख रुपए के नोटों से भगवान शिव और मंदिर को सजाया गया है। मंदिर में नोटों की माला, मुकुट और लड़ियां आकर्षण का केंद्र बनी हुई हैं, जिन्हें देखने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। मंदिर में हर साल महाशिवरात्रि के बाद मेला लगता है। इस साल मेला 14 फरवरी से शुरू हुआ है, जो 28 फरवरी तक चलेगा। नोटों से किया गया यह विशेष श्रृंगार गुरुवार 26 फरवरी तक श्रद्धालुओं के दर्शन के लिए रहेगा। मंदिर के पुजारी संदीप पठोर के अनुसार, नोटों की माला, मुकुट और लड़ियों की सजावट तैयार करने में सात कलाकारों की टीम को करीब तीन दिन का समय लगा। कलाकारों ने बड़ी मेहनत और कलात्मक ढंग से नोटों की सजावट कर मंदिर को भव्य रूप दिया है।

भगवान महादेव के इस अनोखे और भव्य स्वरूप के दर्शन के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु मंदिर पहुंच रहे हैं। मंदिर परिसर में नोटों से की गई सजावट श्रद्धालुओं के लिए आकर्षण का मुख्य केंद्र बनी हुई है। धार्मिक नगरी उज्जैन में इंदौर गेट चौराहे पर स्थित श्री पूर्णानंद गणपति मंदिर के गर्भगृह और बाहर के हिस्से को 21 लाख रुपए के नोटों से सजाया गया है। सजावट में 500, 100, 50 और 20 रुपए के नोटों का उपयोग किया गया है। नोटों की लड़ियां बनाई गई हैं, जिन्हें पूरे गर्भगृह और मंदिर परिसर में आकर्षक ढंग से लगाया गया है।

हिन्दू महासम्मेलन में महिला की सुरक्षा के लिए यंत्र बांटे :ओजस्वनी हिम्मत वायर से रक्षा कर सकेगी महिलाए

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ● बुधवार को हिंदू महासम्मेलन के समापन पर छेड़छाड़ से बचने के लिए 40 महिला कार्यकर्ता को ओजस्वी यंत्र बांटे गए। सम्मेलन में देश भर में एक लाख वेलनेस सेंटर खोले जाने की घोषणा भी की गई। विश्व हिंदू परिषद के पूर्व अध्यक्ष एवं राष्ट्रीय हिन्दू परिषद के संस्थापक डॉ प्रवीण तोगड़िया ने बताया कि इस प्रोटेक्शन यंत्र इससे महिलाएं सुरक्षित रहेगी। इसका बटन दबाते ही 200 लोगो को करंट का झटका लग सकता हैं। लेकिन महिलाओं के लिए यह ऐसा हथियार है जो पर्स में रख सकती हैं।स्कूल कालेज में निशुल्क सेल्फ प्रोटेक्शन की ट्रेनिंग दी जाएगी, ओजस्वनी हिम्मत वायर और चिली स्प्रे, दो यंत्र युवतियों को दिए जाएंगे। क्षिप्रा नदी के पास बड़ा उदासीन अखाड़े के शहनाई गार्डन में राष्ट्रीय हिन्दू परिषद संस्थापक प्रवीण तोगड़िया के नेतृत्व में हिंदू महा सम्मेलन की शुरुआत की गई थी। इस दो दिवसीयआयोजन में देश भर से हजारों लोग शामिल हुए। इसमें हनुमान चालीसा के पाठ के साथ लोगो को स्वस्थ रहने के गुर सिखाए गए। बुधवार दोपहर हिंदुत्व एकता के संकल्प के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। इस दौरान तोगड़िया ने महिलाओं को ओजस्विनी यंत्र वितरित किए।

ये यंत्र देश भर की एक लाख महिलाओं को बांटने का संकल्प कार्यक्रम के दौरान लिया गया। कार्यक्रम में उसका डेमो कर बताया। यह रिचार्जेबल यंत्र संगठन ने बनाया है। डॉ तोगड़िया ने बताया कि यह यंत्र गुजरात के उद्योगपति ने बनाया है। इसका नाम ओजस्विनी हिम्मत वायर रखा है। इसकी कीमत 800 रुपए है, लेकिन सम्मेलन में 600 रुपए में दिया गया।

डॉ तोगड़िया ने कहा कि लोगो को स्वस्थ रखने के पूरे देश में एक लाख वेलनेस सेंटर खोले जाएंगे। जिसमें उन्हें हिंदुत्व एकता के साथ स्वस्थ रहने के गुर सिखाएंगे। आज से 'हिंदू ही आगे' महासम्मेलन का शुभारंभ हुआ है। इसमें शभर के कार्यकर्ता शामिल हुए हैं। आयोज में एक लाख हनुमान चालीसा पाठ, 'गुरु प्रमाण' और ऑडियो हनुमान चालीसा के माध्यम से एक करोड़ हिंदू परिवारों को जोड़ने का लक्ष्य है। आगामी चरणों शहरों में एकत्रित सामग्री को आदिवासी क्षेत्रों में वितरित किया जाएगा और सेवा कार्यों को प्राथमिकता दी जाएगी।,

किसान कलेक्ट्रेट पर डालेंगे डेरा, ग्रीन फील्ड रोड के विरोध में किसानों का हल्लाबोल

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ● उज्जैन में प्रस्तावित 7 हजार करोड़ रुपये के दो ग्रीन फील्ड रोड (उज्जैन-इंदौर और उज्जैन-जावरा) के विरोध में बुधवार को तीन जिलों के किसान बड़ा आंदोलन करेंगे। 90 प्रभावित गांवों के ग्रामीण 180 ट्रैक्टर-ट्रॉलियों के साथ उज्जैन कलेक्ट्रेट का घेराव करने पहुंचेंगे। किसान अपने साथ राशन और बिस्तर भी ला रहे हैं और मांगें पूरी न होने तक अनिश्चितकालीन धरने पर बैठने की तैयारी में हैं। यह पहला मौका है जब दोनों प्रोजेक्ट के प्रभावित किसान एक साथ मैदान में उतरे हैं। किसानों का मुख्य विरोध 'एक्सिस कंट्रोल' प्लान को लेकर है, जिसके तहत सड़क जमीन से 15-20 फीट ऊंचाई पर बनेगी और गांवों को इससे कनेक्टिविटी नहीं मिलेगी। किसानों का तर्क है कि जिस सड़क पर वे अपने वाहन नहीं चला सकते, उसके लिए जमीन क्यों दें? किसान नेता राजेश सोलंकी के अनुसार, उनकी दो प्रमुख मांगें हैं: पहली, ग्रीन फील्ड को सामान्य हाईवे की तरह जमीन पर बनाया जाए और दूसरी, मुआवजे का निर्धारण बाजार मूल्य पर हो। उज्जैन के 56, इंदौर के 20 और रतलाम के 13 गांव इस प्रोजेक्ट से सीधे प्रभावित हो रहे हैं।

पूर्व कलेक्टर मनीष सिंह ने जो 250 करोड़ रुपए की जमीन बचाई थी, उसे लेने में जुटे भूमाफिया

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● शहर में भूमाफिया एक बार फिर सक्रिय है। सहकारिता सोसायटी के घोटाले के जरिए हजारों करोड़ की जमीन का खेल करने वाले ये जादूगर अब अपनी जमीन फिर लेने में जुट गए हैं। यह वह जमीनें हैं जो तत्कालीन कलेक्टर मनीष सिंह के समय भूमाफिया अभियान चलाकर सरकारी घोषित की गई थीं।

अब जिस जमीन की बात कर रहे हैं, वह खजराना के सर्वे नंबर 114 की 2.016 हेक्टेयर (पांच एकड़) जमीन है। यह जमीन भूमाफियाओं से घिरी सूर्या हाउसिंग सोसायटी की है। इसे 25 जुलाई 2022 को तत्कालीन कलेक्टर (आईएएस मनीष सिंह) ने नियमों का उल्लंघन करने पर शासन में निहित करने के लिए प्रमुख सचिव शासन को पत्र लिखा था। साथ ही राजस्व रिकॉर्ड में भी इस संबंध में लिख दिया गया था। रिकॉर्ड के 12 नंबर कॉलम में किया गया था कि भूमि शासन में वैष्ठित करने की कार्रवाई राजस्व विभाग व कलेक्टर कार्यालय में प्रचलित है। न्यायालय कलेक्टर द्वारा संस्था द्वारा नगर भूमि सीमा एक्ट 1976 की धारा 20 (1) (क) का उल्लंघन करने के चलते यह कार्रवाई की जा रही है।

मनीष सिंह ने इस तरह जांच करके ली थी जमीन-संस्था को यह जमीन 1998 में शासकीय सीलिंग एक्ट में अतिशेष होने पर आवासहीन लोगों को आवास उपलब्ध कराने के लिए दी गई थी। जब संस्था बनी तब इसमें 150 सदस्य थे। वहीं, बाद में 25 सदस्य रह गए। इसमें भूमाफिया दीपक मद्दा के भाई नीलेश जैन संस्था के प्रमुख बन गए थे। इनके करीबी लोग, कर्मचारी, परिजन इसमें सदस्य बन गए थे। संस्था की जमीन का टीएंडसीपी से आवासीय की जगह कर्पोरेट विकास का नक्शा पास कराया गया था। मनीष सिंह ने कलेक्टर रहते हुए इस संस्था के एक-एक सदस्य की जांच कराई थी। इसके बाद 25 पन्नों का पत्र 25 जुलाई 2022 को प्रमुख सचिव को भेजा था।

इसमें कहा था कि इस जमीन में छूट की शर्तों का उल्लंघन किया गया है। जमीन की कीमत 250 करोड़ से ज्यादा है और इसे शासन में वैष्ठित किया जाना चाहिए।

अब संस्था ने यह शुरू किया खेल-संस्था की जमीन वापस लेने के लिए अब इसमें कानूनी तौर पर खेल किया जा रहा है। संस्था के चुनाव हुए और बचे-खुचे सदस्यों ने इसमें राजेश सोलंकी को अध्यक्ष बना लिया था। अब सोलंकी ने संस्था की ओर से हाईकोर्ट में याचिका दायर कर दी है। इसमें कहा गया है कि केवल 25 जुलाई 2022 के तत्कालीन कलेक्टर के पत्र के आधार पर जमीन के राजस्व रिकॉर्ड में बदलाव किया गया था। इस संबंध में कोई औपचारिक आदेश शासन या कलेक्टर कोर्ट से हुआ ही नहीं है। अब हाईकोर्ट जस्टिस प्रणय वर्मा की बेंच ने इस संबंध में एमपी सरकार और इंदौर कलेक्टर से जवाब मांगा है। साथ ही, 25 जुलाई 2022 के पत्र संबंध में औपचारिक आदेश की कॉपी मांगी है।

जानकारों का कहना है कि राजस्व रिकॉर्ड में कोई भी बदलाव शासकीय आदेश से होता है। पत्र के आधार पर नहीं किया जा सकता है। चाहे आदेश तहसीलदार कोर्ट से हो, एसडीओ या फिर कलेक्टर कोर्ट से। वहीं अभी तक यह साफ नहीं है कि इस जमीन को लेकर क्या कोई औपचारिक आदेश हुआ है। कायदे से शासन को इस संबंध में जमीन लेने का आदेश देना था। वहीं, अभी तक शासन का इस संबंध में आदेश सामने नहीं आया है। यदि यह आदेश हाईकोर्ट में पुटअप नहीं हुआ तो फिर ऐसे में जिला प्रशासन और शासन के लिए इस जमीन को बचाना बेहद मुश्किल हो जाएगा।

भूमाफिया को लेकर पत्र में बहुत कुछ लिखा गया था

इस संबंध में सिंह ने एक-एक सदस्य की जांच कराई थी। इसमें भूमाफिया दीपक मद्दा को इस खेल के लिए मुख्य रूप से जिम्मेदार बताया गया था। रिपोर्ट में कहा गया कि संस्था संचालक मद्दा का सगा भाई नीलेश है। कई सदस्य दाखाबाई जैन, हस्तीमल लोढ़ा, चंदनबाला जैन, महेंद्र जैन, दिलीप जैन, ममता जैन एक ही परिवार से हैं। साथ ही अशोक पिपाड़ा, अंशुल जैन, प्राचर्न, जैन रवि जैन एक ही परिवार से हैं। देवीसिंह राठौर, कमलेश भंडारी जैसे सदस्य तो भूमाफिया के कर्मचारी मात्र हैं। यानी संस्था और जमीन पूरी तरह से भूमाफिया की जेब में हैं।

न्यूज ब्रीफ

इंदौर के बैंकों में जमा है 250 करोड़ की निष्क्रिय राशि

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● जिले के बैंकों में बड़ी मात्रा में ऐसी धनराशि पड़ी है, जिस पर सालों से किसी ने दावा नहीं किया है। जिला कोषालय की वरिष्ठ अधिकारी मोनिका कटारे ने बताया कि लगभग 250 करोड़ रुपए ऐसे खातों में जमा हैं, जो पिछले 10 सालों या उससे भी अधिक समय से निष्क्रिय पड़े हैं। ऐसे करीब 6 लाख बैंक खाते हैं, जिनमें लंबे समय से कोई लेन-देन नहीं किया गया है। इन खातों में निजी बचत खाते भी शामिल हैं और वे खाते भी जो विभिन्न सरकारी योजनाओं के तहत खोले गए थे। यह जानकारी कलेक्टर कार्यालय में आयोजित एक समीक्षा बैठक के दौरान साझा की गई। बैठक की अध्यक्षता सांसद शंकर लालवानी ने की, जिसमें बैंक अधिकारियों, प्रशासनिक अफसरों और उद्योग जगत के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। बैठक में आसान व्यवसायिक ऋण, अनुदान योजनाओं की स्थिति, निष्क्रिय खातों में पड़ी राशि और वित्तीय जागरूकता जैसे विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई।

ग्रामीण पृष्ठभूमि के पहलवान आयुष झा ने जीता अंतरराष्ट्रीय गोल्ड

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● मुख्यमंत्री डॉ. यादव की पहल पर प्रदेश में युवा खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए लगातार प्रोत्साहित किया जा रहा है। इस प्रोत्साहन से खिलाड़ियों में नई ऊर्जा का संचार हो रहा है और वे उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल कर रहे हैं। इसी क्रम में इंदौर जिले के ग्रामीण पृष्ठभूमि के प्रतिभावान पहलवान आयुष झा ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शानदार सफलता अर्जित करते हुए नेपाल के लुम्बिनी में आयोजित साउथ एशियन कॉम्बैट चैंपियनशिप में गोल्ड मेडल जीतकर जिले सहित प्रदेश एवं देश का नाम रोशन किया है। इंदौर जिले के ग्राम काली बिलौद निवासी आयुष झा को अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए कलेक्टर शिवम वर्मा की पहल पर जिला प्रशासन द्वारा 30 हजार रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की।

योजना मेट्रो शहर के लिए थी ही नहीं, यह थोपी गई, मास्टर प्लान 1.5 साल से बना रखा- विजयवर्गीय

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने विधानसभा में मेट्रो और मास्टर प्लान, दो अहम मुद्दों पर बड़े खुलासे किए हैं। कई प्रस्तावों पर चर्चा के दौरान विपक्ष के कई सवालों के जवाब में इन पर खुलासे हुए हैं। मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने मेट्रो को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि मेट्रो की जो योजना बनाई गई, उसमें जनप्रतिनिधियों से सही तरीके से बातचीत नहीं की गई थी। उन्होंने यह भी कहा कि अधिकारियों ने पहले से ही बैठकर प्लानिंग कर ली थी और फिर इसे अचानक शहर पर थोप दिया गया। इस पर विधायक शेखावत ने भी सवाल उठाए थे। उनका कहना था कि इस मामले में कभी विधायकों से चर्चा ही नहीं की गई और न ही कभी कैलाश विजयवर्गीय से इस पर कोई बातचीत हुई थी। विजयवर्गीय ने यह जवाब कांग्रेस विधायक जयवर्धन सिंह, भंवर सिंह शेखावत व अन्य के सवालों पर दिया है।

मेट्रो तो शहर में लाना ही नहीं थी-मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने यह भी कहा कि मेट्रो की प्लानिंग कभी भी शहर के लिए नहीं थी। उन्होंने बताया कि मेट्रो पर सबसे पहले मेरे हस्ताक्षर थे, लेकिन इसका उद्देश्य सिर्फ इंदौर और भोपाल को आसपास के शहरों से जोड़ना था। विजयवर्गीय ने आगे कहा कि भोपाल मेट्रो को पहले भोपाल-विदिशा, भोपाल-रायसेन और भोपाल-होशंगाबाद के बीच चलाने की योजना थी। वहीं, इंदौर मेट्रो को इंदौर-देवास, इंदौर-महू, और इंदौर-उज्जैन के बीच चलाने का विचार था। वहीं, बाद में कांग्रेस सरकार आई, जिन्होंने 15 महीने के अंदर योजना बनाई, भूमिपूजन किया और काम भी शुरू करवा दिया था। विजयवर्गीय ने साफ कहा कि मेट्रो की योजना कभी भी शहर के भीतर चलाने की नहीं थी।

10 साल बाद ही मेट्रो काम की-विधायक शेखावत ने कहा कि इंदौर में मेट्रो 11 किमी तक ऐसी जगह से गुजर रही है जहां कोई बस्ती नहीं है और जगह भी खाली है। इस पर मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि अगले दस साल तक मेट्रो ऐसे ही चलेगी, क्योंकि अभी इसकी ज्यादा उपयोगिता नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि मेट्रो के दूसरे चरण के आने पर इसकी ज्यादा उपयोगिता होगी। दूसरे चरण में मेट्रो शहर के कई प्रमुख रास्तों से गुजरेगी, जिससे शहर में विस्तार होगा और यात्री संख्या भी बढ़ेगी। वहीं इंदौर-भोपाल के मास्टर प्लान को लेकर नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार के सवाल पर मंत्री ने कहा कि यह प्लान तो डेढ़ साल से तैयार पड़ा हुआ है। अब मुख्यमंत्री (मोहन यादव) इस पर विचार करेंगे और फिर इस पर आगे कदम बढ़ाए जाएंगे।

एमवायएच में नर्सिंग अधीक्षक के 'तुगलकी आदेश' से हलचल मार्च से दिसंबर तक ड्यूटी रोस्टर बनाएं

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● महाराजा यशवंतराव अस्पताल में नर्सिंग अधीक्षक के हालिया आदेश ने प्रशासनिक हलकों में हलचल मचा दी है। 23 फरवरी को जारी निर्देश में सभी इंचार्ज नर्सों को मार्च से लेकर दिसंबर तक यानी पूरे 10 माह का ड्यूटी रोस्टर तैयार कर देने को कहा गया है। एक माह का रोस्टर ही होता है

नर्सिंग स्टाफ का कहना है कि वर्तमान व्यवस्था के अनुसार अधिकतम एक माह का ड्यूटी रोस्टर बनाया जाता है। रोस्टर तैयार करते समय उपलब्ध स्टाफ, अवकाश, मातृत्व अवकाश, सेवानिवृत्ति, प्रशिक्षण और आकस्मिक परिस्थितियों जैसे कई कारकों को ध्यान में रखना पड़ता है। ऐसे में 10 माह पहले से ड्यूटी तय करना व्यवहारिक रूप से संभव नहीं है। यदि बीच में किसी कर्मचारी को लंबा अवकाश लेना पड़े या स्थानांतरण/सेवानिवृत्ति हो जाए, तो पूरे रोस्टर में बार-बार बदलाव करना पड़ेगा, जिससे कार्य व्यवस्था प्रभावित होगी। सूत्रों के अनुसार इंचार्ज नर्सें इस बात को लेकर असमंजस में हैं कि इतने लंबे समय का रोस्टर किस आधार पर तैयार किया जाए।

आदेश पर करना होगा पुनर्विचार-नर्सिंग स्टाफ ने उच्च प्रशासन से आदेश पर पुनर्विचार की मांग की है, ताकि अस्पताल की कार्यप्रणाली सुचारू बनी रहे और अनावश्यक प्रशासनिक दबाव से बचा जा सके। एमवायएच जैसे बड़े अस्पताल में रोस्टर प्रबंधन संवेदनशील विषय है, क्योंकि इसका सीधा संबंध मरीजों की देखभाल और आपात सेवाओं से जुड़ा होता है। ऐसे में व्यावहारिक और संतुलित निर्णय की आवश्यकता महसूस की जा रही है।

डिजिटल युग में भी हस्तलिखित आदेश

अस्पताल में हर माह लाखों रुपये के आधुनिक उपकरण खरीदे जा रहे हैं और अधिकांश विभाग कंप्यूटरीकृत हो चुके हैं इसके बावजूद नर्सिंग अधीक्षक कार्यालय में अब भी हस्तलिखित आदेश जारी किए जा रहे हैं। अस्पताल में आउटसोर्स कंप्यूटर ऑपरेटर तैनात हैं और स्टाफ को कंप्यूटर प्रशिक्षण भी दिया जा चुका है, फिर भी नर्सिंग विभाग में डिजिटल रोस्टर प्रणाली लागू नहीं हो सकी है।

होलाष्टक में शुभ कामों पर रोक का असर, उज्जैन मेले में थमी डिलीवरी

लेकिन बुकिंग बढ़ी, होली के बाद बंपर डिलीवरी

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● हिंदू मान्यताओं के अनुसार होलाष्टक के दौरान किसी भी शुभकार्य को टालने की परंपरा है, जिसके चलते अब गाड़ियों की डिलीवरी पर अस्थायी रोक लग गई है। यही कारण है कि होलाष्टक शुरू होते ही उज्जैन मेले में वाहन बिक्री की रफ्तार पर ब्रेक लग गया है। डीलरों के मुताबिक बुकिग तो लगातार अच्छी संख्या में हो रही है, लेकिन ग्राहक अब डिलीवरी होली के बाद ही लेना पसंद कर रहे हैं। डीलर इस बात से भी खुश है कि 19 मार्च से नवरात्रि लग रही है। उस दिन भी बड़ी संख्या में डिलीवरी होगी। मेले को 10 दिन आगे रामनवमी तक बढ़ाने की मांग भी डीलरों ने की है। यहां लगातार तीसरे साल उज्जैन में लगा विक्रमोत्सव व्यापार मेला इस समय वाहन खरीदारों के लिए खास आकर्षण बना हुआ है। परिवहन विभाग द्वारा टैक्स में 50 प्रतिशत तक की छूट और डीलरों द्वारा आकर्षक ऑफर्स दिए जा रहे हैं, जिससे बुकिग में लगातार बढ़ोतरी देखी जा रही है। पहले एनआईसी सिस्टम में छूट अपडेट न होने की समस्या आ रही थी, लेकिन अब यह तकनीकी दिक्कत भी दूर हो चुकी है, जिससे बिक्री प्रक्रिया और सुगम हो गई है। उज्जैन मेले में सबसे अधिक स्टॉल इंदौर के डीलर्स द्वारा लगाए जाते हैं। यही कारण है कि इंदौर के ग्राहक भी 50 प्रतिशत तक की छूट का लाभ लेने बड़ी संख्या में उज्जैन पहुंच रहे हैं और यहीं से वाहन खरीद रहे हैं। डीलर्स का कहना है कि होलाष्टक के बाद फिलहाल डिलीवरी रुकी है, लेकिन होली के बाद बाजार में तेजी आएगी। खास बात यह है कि होली समाप्त होने के बाद मार्च में ही नवरात्रि शुरू हो रही है, जिसे शुभ समय माना जाता है। ऐसे में 19 मार्च से फिर बड़ी संख्या में डिलीवरी की तैयारी है। डीलर्स के अनुसार, पिछले दो वर्षों में भी उज्जैन मेले में रिकॉर्ड स्तर पर वाहन बिक्री हुई थी। वर्ष 2024 और 2025 में मेले के दौरान हजारों की संख्या में दोपहिया और चार पहिया बिके थे। हर साल होली और नवरात्रि के आसपास बिक्री में उछाल देखने को मिलता है, जो इस बार भी जारी रहने की उम्मीद है।

इंदौर को मिलेगा हाईटेक फायर स्टेशन

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● तेजी से फैलते इंदौर शहर को जल्द ही एक नए और अत्याधुनिक फायर स्टेशन की सौगात मिलने जा रही है। शहर के विस्तार और बढ़ती आबादी के साथ आगजनी की घटनाओं में भी इजाफा देखने को मिला है। इसी आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए आईएमसी ने एमआर-10 इलाके में आधुनिक सुविधाओं से लैस फायर स्टेशन बनाने का निर्णय लिया है। इस परियोजना के लिए करीब 40 हजार वर्गफुट भूमि आवंटित की गई है और अनुमानित लागत लगभग 3 करोड़ रुपये बताई जा रही है। वर्तमान में शहर में आग लगने की घटनाओं पर मुख्य रूप से उज्जैन रोड स्थित फायर स्टेशन से ही दमकल वाहन रवाना किए जाते हैं। लेकिन कई बार ट्रैफिक जाम और लंबी दूरी के कारण दमकल को घटनास्थल तक पहुंचने में देरी हो जाती है। इस देरी से नुकसान बढ़ने की आशंका रहती है। नगर निगम का मानना है कि नए फायर स्टेशन के शुरू होने से शहर के विस्तारित क्षेत्रों में आपात स्थिति से निपटने में तेजी आएगी और प्रतिक्रिया समय कम होगा। एमआर-10 पुराने टोल नाके के पास स्थित जमीन आईडीए द्वारा उपलब्ध कराई गई है। नगर निगम और विकास प्राधिकरण के बीच इस संबंध में चर्चा अंतिम चरण में है। प्रस्तावित भवन में आधुनिक उपकरणों से सुसज्जित कंट्रोल रूम, दमकल वाहनों की पार्किंग, मजबूत बाउंड्री वॉल और कर्मचारियों के लिए आवासीय क्वार्टर भी बनाए जाएंगे। योजना को अंतिम स्वीकृति मिलते ही टेंडर प्रक्रिया शुरू कर निर्माण कार्य आरंभ किया जाएगा। इंदौर में वर्तमान में सात फायर स्टेशन कार्यरत हैं, जो लक्ष्मीबाई नगर, मांगलिया, पीथमपुर, मोती तबेला, जीएनटी मार्केट, सांवेर रोड और मालनपुर क्षेत्रों में स्थित हैं।

जूनियर वकीलों में स्टायपेंड लागू करने की मांग

छह साल से रुकी सीएम वेलफेयर स्कीम की राशि भी मांगी

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● मध्यप्रदेश के जूनियर वकीलों के हित में स्टायपेंड नीति लागू करने की मांग की गई है। इसे लेकर इंदौर हाईकोर्ट बेंच में जनहित याचिका दायर की गई है। साथ ही सीएम वेलफेयर स्कीम 2012 के तहत नए रजिस्टर्ड वकीलों को 12 हजार रुपए की राशि साल 2019 में कोविड के बाद नहीं मिली है। इसे भी जारी करने की मांगी की गई है।

यह लगी है याचिका-इंदौर के अधिवक्ता निमेष पाठक ने यह याचिका दायर की है। इसमें मध्य प्रदेश शासन, विधि विभाग मध्य प्रदेश, बार काउंसिल ऑफ इंडिया, बार काउंसिल ऑफ मध्य प्रदेश को पक्षकार बनाया गया है।

याचिका में जूनियर वकील के हित में कई मुद्दे-याचिका में जूनियर वकील के हित में स्टायपेंड नीति लागू करने की मांग की है। पाठक ने कहा कि यह शहरी सीमा में 20 हजार और ग्रामीण एरिया में कम से कम 15 हजार होना चाहिए। जूनियर वकील और वरिष्ठ अधिवक्ता, ला फर्म में कई तरह के काम करते हैं। वह केस की ड्राफ्टिंग, कोर्ट में पेश होना, क्लर्किकल मदद सभी करते हैं। लेकिन उन्हें कितना कम से कम वेतन मिले यह तय नहीं है। केरल, तमिलनाडु जैसे कई राज्यों यह नीति है और हाल ही में केंद्रीय ला विभाग ने भी इस संबंध में प्रेस नोट जारी किया था। सभी बार काउंसिल को एडवोकेट एक्ट के तहत इसे लागू कर जूनियर वकील का हित सुरक्षित करना चाहिए। इसके लिए एक फ्रेमवर्क और नीति तैयार होना चाहिए।

साल 2019 से रुकी राशि दिलवाई जाए

जूनियर वकील के लिए मुख्यमंत्री एडवोकेट वेलफेयर स्कीम 2012 लांच हुई थी। इसमें साल 2013 से प्रावधान है कि पहली बार रजिस्टर्ड होने वाले जूनियर वकील को टेबल-कुर्सी व अन्य आफिस खर्च के लिए 12 हजार की राशि दी जाएगी। लेकिन कोविड के दौरान साल 2019 से इसे बंद कर दिया गया। अभी तक यह राशि नहीं दी गई है। ऐसे में इसे भी जारी करने के लिए आदेश देने की मांग की गई है।

एआई डीपफेक ठगी, बेटे पर हमले का फर्जी वीडियो बनाकर 1 लाख वसूले

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● इंदौर में एआई डीपफेक से नई साइबर ठगी सामने आई है। ठगों ने बेटे पर चाकू हमले का फर्जी वीडियो भेजा। माता-पिता से किडनैपिंग का डर दिखाकर 1 लाख रुपए वसूले। बाद में पता चला कि बच्चा सुरक्षित था। पुलिस मामले की जांच कर रही है। इंदौर में साइबर ठगी का पहली बार एआई डीपफेक वाला नया तरीका सामने आया है। अब ठग एआई डीपफेक वीडियो से लोगों को फंसा रहे हैं। इस बार निशाना 10वीं के स्कूली छात्र का परिवार बना। यह मामला मध्यप्रदेश के इंदौर का है। परिवार का बेटा 10वीं कक्षा में पढ़ता है। वह शाम को कोचिंग के लिए निकला था। रात तक घर नहीं लौटा तो परिवार चिंतित हुआ। परिवार ने सोशल मीडिया पर जानकारी शेयर की और साथ ही पुलिस को सूचित किया। इसी दौरान परिवार को वीडियो कॉल आया। इसमें कॉल करने वालों ने अपना चेहरा छिपाया था। वीडियो में उनका बेटा और बदमाश उसे चाकू मारते दिख

रहे थे। धमकी दी गई कि बच्चे को हमने अपहरण किया है और यदि रुपए नहीं दोगे तो जान से मार देंगे।

QR कोड से 1 लाख रुपए वसूले गए-डरे हुए माता-पिता ने ठगों की बात मान ली। इसके बाद ठगों ने एक क्यूआर कोड भेजा। अलग-अलग ट्रांजेक्शन में कुल 1 लाख 2 हजार भेजे गए। अगले दिन सच्चाई सामने आई। बेटे ने अपने दोस्त को फोन कर बताया कि वह दोस्तों के साथ सांवरिया सेठ दर्शन के लिए आया है। फिर माता-पिता को पता चला और बच्चे से बात हुई तो उसने बताया कि उसने किसी ने अगवा नहीं किया।

परिवार को ठगी का एहसास हुआ-इसके बाद परिवार को पता चला कि ठगी हो गई है। ठगों ने वीडियो कॉल यूके नंबर से किया था। वहीं पैसे लेने के लिए, क्यूआर भारत का था। फिर परिवार ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। यह आशंका है कि बच्चे के गायब होने पर परिजन ने सोशल मीडिया पर उसके गायब होने की सूचना, फोटो, और संपर्क नंबर डाले थे। बदमाशों ने यहीं से उसकी फोटो ली होगी। इसी से डीपफेक से वीडियो बनाया। एडिशनल डीसीपी क्राइम राजेश दंडोतिया ने बताया कि पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

जरूरी जानकारी कैसे बचें डीपफेक से-सोशल मीडिया पर निजी फोटो और नंबर सीमित रखें। किसी भी धमकी भरे वीडियो पर तुरंत भरोसा न करें। पहले संबंधित व्यक्ति से सीधे संपर्क करें। पैसे भेजने से पहले पुलिस को सूचना दें। साइबर हेल्पलाइन 1930 पर शिकायत की जा सकती है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक : **अक्षय तिवारी** द्वारा मेसर्स डी.बी. कार्प लिमि. 44-45/ए, 50-51/ए, सेक्टर एफ इंडस्ट्रीयल एरिया, सांवेर रोड़, इंदौर (मप्र)- 452008 से मुद्रित एवं 5/6, नार्थ राजमोहल्ला (गुरूद्वारे के सामने), इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित। **आरएनआई - एमपीएचआईएन/2021/81650**
सभी विवादों के लिए न्याय क्षेत्र केवल इंदौर रहेगा। समाचार पत्र में व्यक्तिगत नाम से प्रकाशित खबर एवं आलेख के लिए वे स्वयं जिम्मेदार होंगे।